साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 23 फरवरी से 01 मार्च 2026
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 51 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 09 में...
बजट-सत्र शुरू, विपक्ष ने भी कमर कस लिया

पेज 12 में...
आदिवासी हैं भोकवा नहीं...

पेज 04 भूपेश बघेल ने योगी को बताया ढोंगी

गुंडे नहीं गरीब ख़ौफ़ में...

सट्टेबाजी, नशे का कारोबार अब भी चल रहा है साहेब

स्पा सेंटर और देर रात तक खुल रहे बार-होटल	सिर्फ छोटे दुकानदार और आम शहरी टार्गेटेड	राजधानी का यातायात सिस्टम भी कोलैप्स	नाम बदला है पर पुलिस सिस्टम वही पुराना

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

रायपुर में पुलिस आयुक्त प्रणाली को एक महीने हो गया है। जिस मंशा से इस सिस्टम को शासन ने प्रभावी किया था वह अब भी अपने मूल उद्देश्य से अब भी कोसों दूर है। आगे भी हालात में किसी चमत्कार की गुंजाईश कमतर ही है। वजह साफ है नाम बदला है पर सिस्टम वही पुराना है। कार्यशैली, प्रवृति और मनःस्थिति अब भी ढर्रे पर है। मेरे हुए शेर की छाती पर पैर रखकर फोटो खिंचवाने वाला बनने के बदले बड़े गैंगबाजों, उनके गुर्गों, गली के गुंडों की मुश्कें कसे। पहले पुलिस कमिश्नर साहब को यह समझना होगा कि शहर गश्त और जुर्माना वसूली से जरायम को नियंत्रित नहीं किया जा सकता।

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी में 23 जनवरी से पुलिस कमिशनरी लागू हो गई है। पहले पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला रायपुर और यहां के लोगों से बेहतर वाकिफ हैं। बावजूद इसके उनकी पुलिस सिर्फ चालानी कार्रवाई में ज्यादा और जमीनी कार्रवाई में सतही साबित हो रही है। गरीब दुकानदारों और आम ग्राहकों पर कहर बरपाने के बदले उन्हें पुराने हिस्ट्रीशीटर्स और गली के गुंडों के साथ ही रायपुर में गैंग चला रहे लोगों को टारगेट करना होगा।

कोटपा के तहत वसूली के बहाने बेजा वसूली करते हुए पुलिस कर्मी बिना रसीद का पैसा अपनी जेब में दाल रहे हैं। मजे की बात तो यह कि इस तरह की वसूली के शिकार उनके टैगोर नगर आरएमएस कॉलोनी स्थित पैतृक निवास के पास संचालित दुकानदार हुए हैं।

इन्हे टारगेट करिये ना कमिश्नर साहब

- बड़े भूमाफिया
- बड़े गैंगबाज
- बड़े गांजा तस्कर
- बड़े सूदखोर
- हवाला कारोबार
- सड़कों पर पार्क बस-ट्रक
- महकमे के वसूलीबाज
- बड़े कब्जाधारियों को

वसूली से बेज़ार शहरी

- प्रति दिन 20 चालानी कार्रवाई करने का लक्ष्य
- कोटपा के तहत प्रति दुकानदार 200 रु.का चालान
- इस हिसाब से प्रतिमाह 25-30 लाख की वसूली
- यातायात पुलिस को भी चालानी कार्रवाई का टारगेट
- तंबाकू लाइसेंस वालों से भी कोटपा के तहत वसूली
- जल्द ही हेलमेट अभियान भी चलाएगी पुलिस

उद्देश्य से भटकी पुलिस

- कैपिटल ट्रैफिक प्लान पर ध्यान नहीं
- अपराध और अड्डेबाजी रोकने में नाकाम
- सड़कें बन गई पार्किंग, लग रहा लंबा जाम
- आम ग्राहक और दुकानदारों को डरा रही पुलिस
- चाकूबाजी, नशीला पदार्थ अड्डेबाजी अब भी हो रही

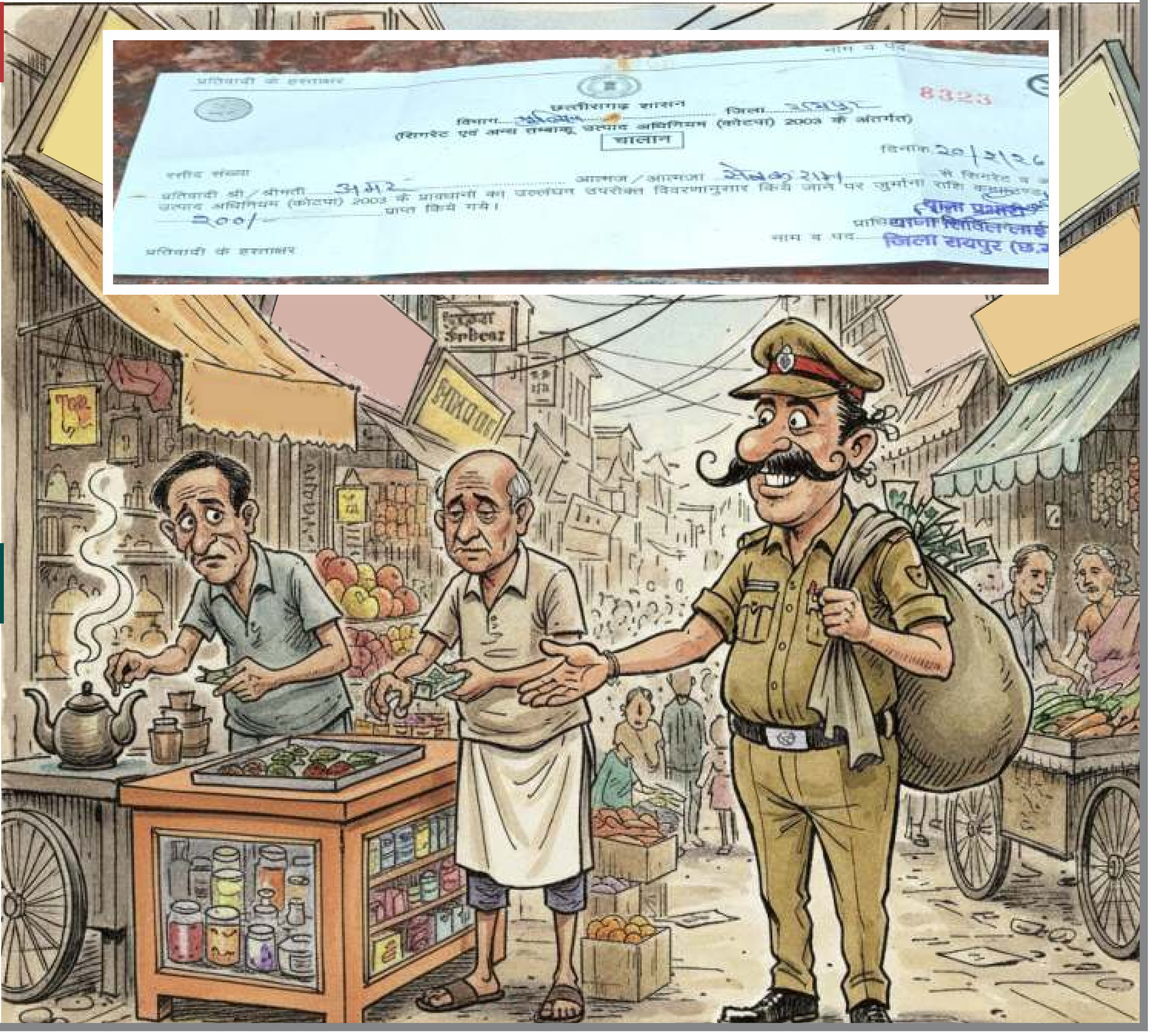

क्या कहता है कोटपा कानून

छत्तीसगढ़ में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA) 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को बिक्री, और शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूरी तरह निषिद्ध है। 2021 के संशोधन के अनुसार हुक्का बार पर भी प्रतिबंध है और उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्यवाही की जाती है। लेकिन पुलिस उन दुकानों और बाजारों को टारगेट कर रही है प्रतिबंधित क्षेत्र-संस्थानों से कोसों दूर हैं।

छत्तीसगढ़ में कोटपा (COTPA) 2003 के प्रमुख नियम एवं शर्तें

- **सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध (धारा 4):** होटल, रेस्तरां, ऑफिस, बस स्टैंड, अस्पताल, पार्क जैसे सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान गैर-कानूनी है। इसके लिए 60x30 सेमी का 'नो स्मोकिंग' बोर्ड लगाना अनिवार्य है।
- **नाबालिगों को बिक्री पर रोक (धारा 6क):** 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पाद बेचना दंडनीय अपराध है। विक्रेता को बोर्ड लगाकर यह दर्शाना होगा कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू नहीं बेचा जाएगा।
- **शैक्षणिक संस्थानों के पास बिक्री पर प्रतिबंध (धारा 6ख):** स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज (लगभग 91 मीटर) के भीतर तंबाकू उत्पादों की दुकान या बिक्री निषिद्ध है।
- **विज्ञापन पर पूर्ण प्रतिबंध (धारा 5):** तंबाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विज्ञापन, प्रचार और प्रायोजन पर रोक है।
- **छत्तीसगढ़ हुक्का बार प्रतिबंध (2021 संशोधन):** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा तंबाकू युक्त हुक्का बार के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
- **स्वास्थ्य चेतावनी:** तंबाकू उत्पादों के पैकेट पर निर्दिष्ट सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी अनिवार्य है। बिना पैकेजिंग (खुली सिगरेट/बीड़ी) की बिक्री निषिद्ध है।

दंड और कार्यवाही

नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस, स्वास्थ्य एवं खाद्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चालानी कार्यवाही की जाती है। दोषी पाए जाने पर जुर्माना और अमानक तंबाकू सामग्री की जब्ती शामिल है।

दुकानदारों-ग्राहकों में ज्यादा खौफ

अपराधियों से ज्यादा अब आम ग्राहकों और पब्लिक में पुलिस का खौफ दिखने लगा है। पैदल गश्त में निकला पुलिस बल का गुस्सा छोटे दुकानदारों, उनके ग्राहकों पर ही निकल रहा है। खाखी के खौफ का अंदाज़ इसी से लगाया जा सकता है कि राजधानी रायपुर में अब खाने की, ठेले खोमचे और पान दुकानें 10 बजे ही बंद होने लगी है। यहां आने वाले आम ग्राहकों से पुलिस का व्यवहार भी ऐसा है कि चौक-चौराहों में उनको खड़ा देखकर ही ग्रहक भाग जाने लगे हैं।

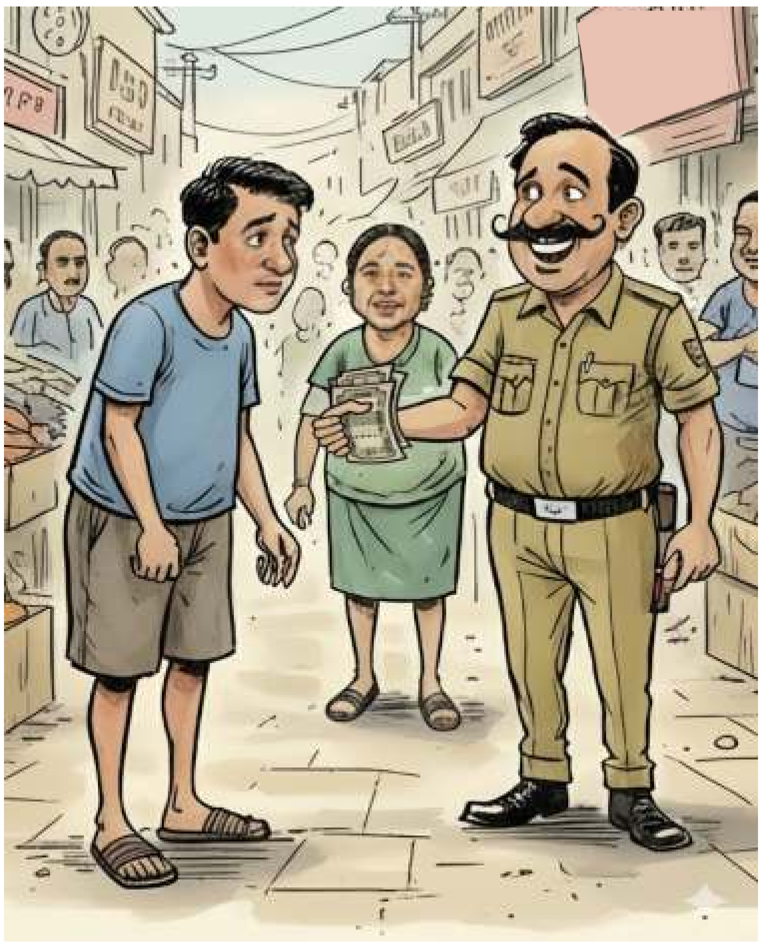

पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम नहीं सुधरा

जिला पुलिस बल से राजधानी रायपुर की कमान पुलिस आयुक्त प्रणाली में तब्दील जरूर हो गई है। लेकिन इस बदलाव के बाद भी पुलिसिया कार्यशैली का अंदाज़ कमोबेश ढर्रे पर ही है। हालांकि थाना क्षेत्र स्तर पर अफसर-पुलिस को ऐसी केबिन से सिर्फ पैदल गश्त करवने वाला ही एकमात्र चेंज दिखा है। लेकिन अब भी अपराध रोकथाम और अद्वध स्थल में पुलिस के पहुंचने का रिस्पॉन्स टाइम नहीं सुधरा है। जिस दिन इसमें सुधर हो जायेगा उस वक्त ही आधी समस्या दूर हो जाएगी।

थाना-अफसरों का नंबर हो सार्वजनिक

संवेदनशील इलाकों में संबंधित थाना प्रभारी और पुलिस रिस्पॉन्स टीम का संपर्क नंबर बोर्ड में लिखा जाना चाहिए। संवेदनशील इलाकों और राजधानी के उन इलाकों में पुलिस थाना प्रभारी, पुलिस कमिश्नर, ACP, DCP और पेट्रोलिंग का संपर्क नंबर लिखा बोर्ड लगाया जाना चाहिए। इससे पुलिस को तत्काल घटनाक्रम की सूचना और शहर के लोगों को तत्काल मदद मिलेगी ही साथ ही अपराधी तत्वों की जहां जमघट लगती है उनकी भी खबर मिल जाएगी।

स्मार्ट पुलिसिंग के इंतज़ार में शहरी

कितना सुरक्षित है अपराधियों के लिए हमारा प्रदेश, यूपी दिल्ली राजस्थान के अपराधी इकट्ठा होकर आते है और लूटपाट करके मजे से भाग जाते है। यूपी पुलिस उन्हें पकड़ लेती है और हमारी पुलिस उन्हें लाकर फोटो खिंचवाने में मशगूल है। गली गली बिकती नशीली दवाएं, चिट्टा बेचते पकड़ाता सिपाही, गांजे की आई दिन जब्ती, ये सब संकेत बताते है कि कार्यशैली में बदलाव नहीं आमूलचूल परिवर्तन की दरकार है।

रायपुर की 'गुमशुदा' बेटियां

तीन साल में 1327 केस और 106 अनसुलझे सवाल

रायपुर (शहर सत्ता)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को लेकर एक भयावह तस्वीर सामने आई है। सरकारी आंकड़ों के आधिकारिक विश्लेषण से पता चला है कि पिछले तीन वर्षों (2023 से 2025) के भीतर जिले से 1,327 लड़कियां रहस्यमय तरीके से गायब हुई हैं। प्रशासन की तमाम कोशिशों और 'ऑपरेशन मुस्कान' जैसे दावों के बावजूद, 106 लड़कियों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। यह आंकड़ा न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि मानव तस्करी (Human Trafficking) के संगठित सिंडिकेट की ओर भी इशारा करता है।

जनवरी 2026 की तीन खौफनाक दास्तानें

नए साल के शुरुआती 20 दिनों में ही रायपुर के अलग-अलग कोनों से तीन नाबालिगों के अपहरण की घटनाएं हुईं।

केस 1 (खरोरा): 14 जनवरी को 15 वर्षीय नाबालिग घर से निकली और लापता हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ BNS 137(2) के तहत मामला तो दर्ज किया, लेकिन आरोपी गिरफ्त से बाहर है।

केस 2 (अभनपुर): 2 जनवरी को दोपहर के समय एक और 15 वर्षीय किशोरी लापता हुई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की शुरुआती सुस्ती के कारण सुराग हाथ से निकल रहे हैं।

केस 3 (मोवा): 16 साल की किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा करने का मामला सामने आया है। यहां भी पुलिस केवल 'तलाश जारी है' का रटा-रटाया जवाब दे रही है।

हर साल बढ़ रहा है ग्राफ

आंकड़ों पर गौर करें तो स्थिति सुधरने के बजाय बिगड़ती दिख रही है। साल 2023 में जहां 407 मामले दर्ज थे, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 463 हो गई।

16 से 30 वर्ष की युवतियां 'सॉफ्ट टारगेट'

रिपोर्ट के विश्लेषण से यह कड़वा सच सामने आया है कि गायब होने वाली युवतियों में सबसे बड़ी संख्या 16 से 30 वर्ष की आयु वर्ग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती, शादी का झांसा और बाहरी राज्यों में नौकरी का लालच देकर इन युवतियों को 'हनी-ट्रैप' में फंसाया जा रहा है। रायपुर के 32 थाना क्षेत्रों में औसतन हर दिन एक नाबालिग के अपहरण या गुमशुदगी की सूचना दर्ज होना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता है। पुलिस विभाग का दावा है कि उनका रिकवरी रेट 80% से अधिक है और वे लगातार विशेष अभियान चलाकर लापता बालिकाओं को ढूंढ रहे हैं। हालांकि, जो 20% मामले अनसुलझे रह जाते हैं, उनके बारे में जिम्मेदार अधिकारी कैमरे पर बात करने से बचते नजर आ रहे हैं।"

इन्वेस्टिगेशन: कहाँ चूक रही है पुलिस?

प्रारंभिक लापरवाही: अधिकांश मामलों को शुरुआत में केवल 'गुमशुदगी' मान लिया जाता है। जब तक इसे 'अपहरण' की गंभीरता से लिया जाता है, तब तक आरोपी राज्य की सीमा पार कर चुके होते हैं।

मानव तस्करी का जाल: रायपुर एक ट्रांजिट हब बनता जा रहा है। यहां से लड़कियों को दूसरे राज्यों के रेड-लाइट एरिया या बंधुआ मजदूरी के दलदल में धकेले जाने की आशंका प्रबल है।

तकनीकी अभाव: छोटे थाना क्षेत्रों में साइबर सर्विलांस की कमी के कारण कॉल रिकॉर्ड्स और लोकेशन ट्रेस करने में देरी होती है।

वर्ष	गुमशुदगी	बरामदगी	लंबित
2023	407	388	19
2024	457	423	34
2025	463	407	53
कुल	1,327	1,218	109

गांजा सप्लाई करने रायपुर पहुंचे 3 अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में 3 अंतरराज्यीय तस्करों को 14.613 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 7.5 लाख रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र निवासी तुषार नितिन पवार, किरन सीताराम काये और मध्य प्रदेश निवासी दीपक तोमर शामिल हैं। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और न्यू राजेन्द्र नगर थाना पुलिस ने मिलकर गांजा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है।

यह है है पूरा मामला

21 फरवरी 2026 को सूचना मिली थी कि अमलीडीह स्थित मेडिसाइन अस्पताल के पास गली में कुछ युवक गांजा बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम तुषार नितिन पवार (21) और किरन सीताराम काये (25) निवासी दहीवडी, थाना सिकरापुर, जिला पुणे (महाराष्ट्र) और दीपक तोमर (33) निवासी थाना पुरषा, जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) बताए। तलाशी के दौरान उनके अलग-अलग बैग से कुल 14.613 किलो गांजा बरामद हुआ। साथ ही 2 मोबाइल फोन और 1,000 रुपए नगद भी जब्त किए गए। तीनों आरोपियों के खिलाफ न्यू राजेन्द्र नगर थाना में नारकोटिक एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज खंगाल रही है, ताकि सप्लाई चेन से जुड़े अन्य तस्करों तक पहुंचा जा सके।

रायपुर में गले में तार बांधकर लटका NEET कैंडिडेट

सुसाइड से पहले बहन से कहा था- पढ़ाई में दिक्कत हो रही, दबाव में था

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर के भाठागांव में रविवार को नीट अभ्यर्थी ने जीआई तार से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र की पहचान सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के पुष्पेंद्र पटेल के रूप में हुई है। वह 2 साल से रायपुर में किराए के मकान में रह रहा था और मेडिकल प्रवेश के लिए कर नीट की तैयारी कर रहा था।

मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है। शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि, पढ़ाई को लेकर वह मानसिक दबाव में था। अपनी बहन से उसने कहा था कि पढ़ाई में दिक्कत हो रही। 22 फरवरी की सुबह भांठागांव स्थित अवधपुरी कॉलोनी के एक मकान के दूसरे मंजिल में तार से लटककर पुष्पेंद्र ने जान दे दी। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके अलावा आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। हालांकि, सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि छात्र पिछले कुछ समय से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को लेकर मानसिक दबाव में था।

जीआई तार से बांधकर लगाई छलांग

जानकारी के अनुसार, छात्र ने मकान की दूसरी मंजिल से गले में जीआई तार (लोहे का तार) बांधकर छलांग लगा दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुरानी बस्ती पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मौके से कुछ सामान जब्त किया गया और कमरे की तलाशी ली गई। मोबाइल भी टूटा मिला है। पुरानी बस्ती थाने के सहायक पुलिस आयुक्त देवांश सिंह राठौर ने बताया कि, पुष्पेंद्र पटेल ने एक दिन पहले 21 फरवरी की रात खाना खाते समय अपनी बहन को बताया था कि, पढ़ाई में उसे दिक्कत आ रही है। मुझे याद नहीं हो रहा है। वह पढ़ाई के लिए जाग रहा था, बहन सोने चली गई थी।

पैसे ऐंठे, वापस मांगने पर आरोपी फरार, FIR दर्ज

ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर शेयर के नाम पर 12.25 लाख की ठगी

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शेयर बाजार में ज्यादा मुनाफा दिलाने का लालच देकर 12 लाख 25 हजार रुपए की ठगी की गई है। पीड़ित विजय कुमार तिवारी ने टिकरापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 12 जनवरी 2026 से 23 जनवरी 2026 के बीच मोबाइल नंबर 94533-64116 से संपर्क किया गया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को शेयर मार्केट एक्सपर्ट बताते हुए कम समय में अधिक रिटर्न दिलाने का दावा किया। आरोपी ने एक लिंक भेजकर रजिस्ट्रेशन कराया और निवेश के लिए कहा। ज्यादा मुनाफे के लालच में विजय तिवारी ने आरोपी के बताए बैंक खाते में अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 12,25,000 रुपये जमा कर दिए।

फर्जी स्क्रीनशॉट से दिखाया मुनाफा

शुरुआत में आरोपी ने फर्जी आंकड़े और स्क्रीनशॉट भेजकर मुनाफा दिखाया। लेकिन जब पीड़ित ने रकम निकालने की कोशिश की, तो बहाने बनाकर टालमटोल की जाती रही। बाद में आरोपी ने फोन उठाना भी बंद कर दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शुरू की जांच

टिकरापारा थाना प्रभारी विनय सिंह बघेल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। मोबाइल नंबर और बैंक खाते के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

- अच्छे मुनाफे के लालच में शेयर एडवाइजरी कंपनी की विश्वसनीयता की जांच किए बिना कभी भी इन्वेस्टमेंट न करें।
- ट्रेडिंग के लिए "सेबी" की तरफ से समय-समय पर जारी निर्देशों और नियमों का पूरा ध्यान रखें।
- अपने ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट के आईडी-पासवर्ड अनजान व्यक्ति से साझा न करे।
- सोशल मीडिया ग्रुप में दिखाए गए लुभावने ऑफर्स के लालच में आकर किसी भी टेलीग्राम, वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि में प्राप्त फर्जी लिंक पर -क्लिक न करें और फर्जी लिंक माध्यम से प्राप्त apk software को भी डाउनलोड न करे।
- किसी भी तरह से फ्रॉड होने पर तत्काल अपने नजदीकी थाने या Ncrp पोर्टल/1930 पर कॉल या क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें।

प्रो. मनोज दयाल ने कुलपति का पदभार किया ग्रहण

शहर सत्ता/रायपुर। प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. मनोज दयाल ने शुक्रवार को सुबह 9.30 बजे वैदिक रीति से पूजा-अर्चना कर कुलपति कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का कार्य दायित्व ग्रहण किया। रायपुर के संभागायुक्त महादेव कावरे (आईएएस) निवर्तमान कुलपति को पुष्प गुच्छ भेंट कर विदाई दी गई और विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए उनके योगदानों के प्रति कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने आभार प्रदर्शित किया। अद्भुत संगठन शिल्पी, त्याग और सादगी की प्रतिमूर्ति और विश्वविद्यालय के प्रेरणास्रोत श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों की समीक्षा की। सर्वप्रथम उन्होंने माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का सादर-आभार प्रदर्शित किया। साथ ही प्रो. दयाल ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का परिचय प्राप्त किया।

साप्ताहिक शहर सत्ता

भूपेश बघेल ने योगी को बताया ढोंगी

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर FIR होने पर कांग्रेस का पलटवार

शहर सत्ता/रायपुर। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर FIR होने पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया है। उन्होंने इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ को ढोंगी बताया और कहा कि योगी अब निम्न स्तर पर उतर आए हैं।तीसरी बात ये है कि योगी है जो एक पैर पर खड़ा नहीं हो सकता तो वो किस बात का योगी है, ढोंगी है वो। और पूरे उत्तर प्रदेश में महंतजी की थू-थू हो रही है। सर्टिफिकेट मांग रहे हैं तो आपके पास कौन सा सर्टिफिकेट है भाई। ये निम्नस्तर पर उतर आए हैं।

बघेल ने कहा कि महंत भी 24 घंटे के लिए पूर्ण कालिक होता है, मुख्यमंत्री भी पूर्ण कालिक होता है। दोनों पद में एक साथ कोई आदमी कैसे रह सकता है। दल्लीराजहरा जाते समय दुर्ग में मीडिया से बातचीत में बघेल ने यह बयान दिया। इसके साथ ही उन्होंने 24 फरवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र पर भी सवाल उठाए।भूपेश बघेल ने कहा कि केवल 15 बैठकों का प्रस्तावित बजट सत्र राज्य जैसे बड़े विषयों पर चर्चा के लिए पर्याप्त नहीं है।

बजट सत्र पर 15 बैठकें काफी नहीं - भूपेश बघेल

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि, केवल 15 बैठकों का प्रस्तावित बजट सत्र राज्य जैसे बड़े विषयों पर चर्चा के लिए पर्याप्त नहीं है। 23 फरवरी को राज्यपाल का अभिभाषण निर्धारित है। परंपरा के अनुसार अभिभाषण के बाद धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है, लेकिन जानकारी मिल रही है कि 24 तारीख को ही बजट पेश किया जाएगा। उन्होंने पूछा इतनी जल्दबाजी किस बात की है? क्या सरकार के पास कहने के लिए कुछ बचा नहीं है।

AI समिट पर बोले- चाइनीज कुत्ते को अपना बता दिया

भूपेश बघेल ने कहा कि, आज कल सब जगह कुत्ता ही महत्वपूर्ण हो गया है। यहां देखो शिक्षक, अस्टिटेंट प्रोफेसरों को कुत्तों की निगरानी में ड्यूटी लगा दी गई है। वे अब कुत्ता पकड़ रहे हैं। अब यहां देशी कुत्तों की बात हो रही थी, अब अचानक चाइनीज कुत्ता आ गया है, वो भी नकली। चाइनीज कुत्ता को अपना कुत्ता बता दिए। पूरा एआई समिट एक तरफ और चाइनीज कुत्ता एक तरफ। गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर भूपेश ने कहा कि, वो गलगोटिया नहीं है, वो भारतीय जनता पार्टी और सरकार का गला घोटने वाला है, पूरा सत्यानाश कर दिया।

विधानसभा सत्र के पहले कांग्रेस विधायकों को मिली अहम जिम्मेदारी

शहर सत्ता/रायपुर। कांग्रेस विधायक दल में लखेश्वर बघेल को डिप्टी लीडर, दलेश्वर साहू को चीफ व्हिप और दिलीप लहरिया को डिप्टी व्हिप बनाया गया है। ये नियुक्तियां विधानसभा सत्र शुरू होने के ठीक पहले की गई हैं। विधानसभा में व्हिप का काम पार्टी के विधायकों को एकजुट रखना और महत्वपूर्ण मुद्दों पर पार्टी के निर्देश के अनुसार मतदान कराना होता है। बजट सत्र जैसे अहम सत्र में चीफ व्हिप और डिप्टी व्हिप की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होता है कि सभी विधायक महत्वपूर्ण चर्चा और मतदान के समय सदन में मौजूद रहें। अगर कोई विधायक व्हिप का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है। बजट सत्र को लेकर कल कांग्रेस विधायक दल की बैठक रखी गई है। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की अध्यक्षता में शाम 4 बजे कांग्रेस भवन में बैठक रखी गई है। 23 फरवरी से शुरू हो रहे विधानसभा के बजट सत्र से पहले कांग्रेस अपनी रणनीति बनाएगी।

लखेश्वर बघेल बने डिप्टी लीडर, दलेश्वर साहू चीफ व्हिप

छत्तीसगढ़ में SIR के बाद बढ़े 2.34 लाख वोटर्स

- अब 1 करोड़ 87 लाख मतदाता
- दुर्ग में सबसे ज्यादा 30 हजार नए वोटर

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदाताओं की फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी गई है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत नाम जोड़ने, हटाने के लिए बुलाए गए दावे-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रदेश में वोटरों की संख्या 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 हो गई है। ड्राफ्ट के बाद 2 लाख 34 हजार 994 वोटरों की संख्या बढ़ी है।

वहीं, मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के अनुसार राज्य में कुल 1 लाख 8 हजार 807 वोटर्स के नाम हटाए गए हैं। इनमें ऐसे मतदाता शामिल हैं, जिनमें किसी की मौत हो चुकी है, जो कहीं और शिफ्ट हो चुके हैं। सबसे ज्यादा रायपुर में 30 हजार वोटरों के नाम कटे हैं, कोरबा में 15 हजार और दुर्ग में 7 हजार वोटरों के नाम कटे हैं। SIR प्रक्रिया 4 महीने तक चली। 21 फरवरी 2026 को जारी राज्य की अंतिम मतदाता सूची में ड्राफ्ट से पहले 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 मतदाता थे। ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद 1 करोड़ 84 लाख 95 हजार 920 मतदाता हुए। अब अंतिम प्रकाशन के बाद 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 वोटर्स हो गए हैं। सबसे ज्यादा 30 हजार वोटर्स दुर्ग जिले में बढ़े हैं।

बीजेपी के पूर्व विधायक पर यौन शोषण का आरोप

महिला नेत्री ने थाने में दर्ज कराई FIR...जांच शुरू

शहर सत्ता/रायपुर/खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के पूर्व विधायक कोमल जंघेल पर भाजपा नेत्री ने यौन शोषण की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पूरा मामला छुईखदान थाना क्षेत्र का है।

पीड़िता ने छुईखदान थाने में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही अपनी पहचान गोपनीय रखने का आग्रह किया है। पुलिस ने भी मामले की संवेदनशीलता देखते हुये जांच शुरू कर दी है। इधर, मामला सार्वजनिक होते ही जिले की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस पूरे मसले पर जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिले की पुलिस मामले में निष्पक्ष जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा है कि घटना में किसी तरह का राजनीतिक दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बीजेपी के रह चुके पूर्व विधायक

बता दें कि कोमल जंघेल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक रह चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी भी माने जाते हैं। बीजेपी ने उन्हें अबतक के चार बार विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया था। 2008 के चुनाव में कोमल जंघेल ने जीत दर्ज की थी। फिर 2013 और 2018 के चुनाव में कोमल जंघेल की हार हुई थी। 2018 में पार्टी से टिकट दिया था। वे महज 870 वोट से ही हारे थे।

इसके बाद खैरागढ़ उपचुनाव 2022 में फिर से कोमल जंघेल को बीजेपी ने प्रत्याशी बनाया था। उनका मुकाबला कांग्रेस की यशोदा वर्मा और जोगी कांग्रेस के प्रत्याशी से था। इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी यशोदा वर्मा ने बीजेपी के कोमल जंघेल को हरा दिया था।

राज्य शासन ने प्रशासनिक ढांचे में बड़ा प्रशासनिक बदलाव

अब 50-50 के फॉर्मूले से भरे जाएंगे डिप्टी कलेक्टर के पद

शहर सत्ता/रायपुर। राज्य शासन ने प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए डिप्टी कलेक्टर के पदों पर भर्ती के नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ में बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिलेगा। अब 50-50 के फॉर्मूले से भरे जाएंगे डिप्टी कलेक्टर के पद।

वर्ष 2020 से पहले पदोन्नति का कोटा 50 प्रतिशत था, पिछली सरकार ने घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया था। छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ लंबे समय से इसे पहले की तरह जारी रखने की मांग कर रहा था। राज्य शासन के ताजा फैसले के बाद अब सीधी भर्ती और पदोन्नति का अनुपात 50-50 कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र
(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

तहसीलदार और नायब तहसीलदार को मिलेगा अवसर

संघ के प्रवक्ता शशिभूषण सोनी का कहना है, इस निर्णय से प्रदेश के समस्त तहसीलदार और नायब तहसीलदार के लिए पदोन्नति के अवसर बढ़ेंगे। पदोन्नत होकर डिप्टी कलेक्टर बनने वाले अधिकारियों के पास 10-12 वर्षों का लंबा प्रशासनिक अनुभव होता है। इस अनुभव का सीधा लाभ सरकारी कामकाज की गुणवत्ता और आम जनता को मिलेगा। यह कदम राज्य में 'सुशासन' को 12 वर्षों का लंबा प्रशासनिक अनुभव होता है। इस अनुभव का लाभ राज्य शासन को मिलेगा।

संघ ने जताया सरकार का आभार

कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वित्त मंत्री और राजस्व मंत्री सहित पूरी कैबिनेट का आभार व्यक्त किया है। संघ के ने कहा, राज्य सरकार का यह फैसला अधिकारियों का मनोबल बढ़ाएगा, साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था में भी कसावट नजर आएगा।

संपादकीय

● सुकांत राजपूत

कमिश्नरेट या कमीशन-रेट

पुलिस कमिश्नर प्रणाली के लागू होने से पहले ही सियासी हलचल तेज हो गई थी। विपक्ष ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा था कि प्रदेश में अपराधों के बढ़ने से सरकार के सुशासन के दावे सवालों के घेरे में हैं। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार अपनी जवाबदेही तय करने के बजाय अधिकारियों को और अधिक शक्तियां देकर जनता की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष का कहना था सरकार पुरानी बोतल में नई शराब परोसने की कोशिश में है। सभी को संदेह था कि कमिश्नरेट बनने से दोगलापन ख़त्म होगा, लेकिन यह तो रहस्यमय ढंग से बढ़ गया है।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट को महकमे के लोग ही संधि-विच्छेद करके पढ़ने लगे हैं। इसकी खास वजह है पुलिस को मिला वसूली का एक अनोखा टारगेट। जिसमे सभी थाना क्षेत्रों को 20-20 चालानी कार्रवाई पान, तंबाखू और सिगरेट बेचने वाले छोटे दुकानदारों पर करनी है। इसकी शुरआत हो गई है। लेकिन अपराधियों की नकेल कसने, चौक-चौराहों से अड्डेबाजी ख़त्म करने और लचर ट्रैफिक सिस्टम को सुधारने के बदले पुलिस 200 रूपये कोटपा कानून के तहत वसूली करने में जुट गई है। कहीं-कहीं रसीद दी जा रही है लेकिन ज्यादातर दुकानदारों से की जा रही वसूली सीधे जेब में जा रही है।

क्या अधिकार मिलेंगे, कितने अधिकारों के साथ क्या बजट दिया जायेगा? पुलिस तो वही रहेगी तो कार्यशैली में कैसे बदलाव लाया जायेगा? क्या आचरण बदलेगा और आम जनता, साधारण व्यापारी खासकर ठेले-खोमचे वाले सुरक्षित महसूस करेंगे? ऐसे ही ना जाने कितने सवालात रायपुर वालों के ज़ेहन में थे। राजधानी रायपुर में आखिरकार पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू हो भी गई, लेकिन अपराधियों से ज्यादा खौफ और नुकसान में गरीब ठेले, खोमचे वाले दुकानदार ही हैं। सभी थानों को कोटपा कानून के तहत 200 रूपये का रोजाना 20-20 चालान का टारगेट मिला है। पैदल गश्त, कानून व्यवस्था और यातायात को सुधारने के बदले अतिप्रिय कार्य वसूली पर सभी का ध्यान केंद्रित हो गया है। इसका खामियाजा बेचारे गरीब और छोटे धंधे वाले भुगत रहे हैं। पहले ही ग्राहकों पर पुलिस का खौफ और दिनभर की कमाई में 200 रूपये की वसूली से आमजन कमिश्नरी से बेज़ार होने लगे हैं। पहले पुलिस कमिश्नर को एक सलाह है अगर वे खुद का संपर्क नंबर या थाना प्रभारियों का संपर्क नंबर सार्वजनिक करेंगे तो सूचनाएं, वारदात और वसूली सभी खबरों से बेहतर अपडेट रहेंगे।

नसीहत : अपनों के बीच आती दूरी को कैसे टालें?

अपने आसपास देखिए, पांच साल की उम्र के कई बेटे होंगे, जो अपने पिता को 'माय सुपर हीरो' कहते हैं। जब वह 10 साल का होता है तो यह छवि थोड़ी दूसरे दर्जे पर आती है और बेटा कहने लगता है कि 'मेरे पिता सुपर हीरो हैं, लेकिन अकसर गुस्सा हो जाते हैं।'

आप लहजा देखें तो 'गुस्सा' पर थोड़ा जोर होता है और 'हीरो' शब्द थोड़ा धीमे से कहा जाता है। जब वही बेटा 15 का होता है तो मां से उसकी बॉन्डिंग अच्छी और पिता से थोड़ी दूरी बन जाती है। किसी एक मौके पर तो वह हिम्मत जुटाकर मां से पूछ ही लेता है- 'आपने पापा से शादी कैसे कर ली?' 20 का होते–-होते वह खुलकर कहता है कि 'मैं आम तौर पर पिता से दूरी रखता हूं और कम बात करता हूं।'

35 का होने पर उसका लहजा बिल्कुल बदल जाता है। वह कहता है कि 'मेरे पिता गुस्सैल, किन्तु अच्छे इंसान हैं।' ऐसा इसलिए क्योंकि अब वह खुद शादीशुदा है और उसका बेटा 8 साल से ऊपर का है। और जब बेटा 45 का होता है, तो पिता फिर से उसके सुपर हीरो बन जाते हैं।

ऐसा हर घर में नहीं, लेकिन बहुत-से घरों में जरूर होता है। आजकल माता-पिता और वयस्क या बड़े हो रहे बच्चों के बीच रिश्तों में दूरियों के मामले बढ़ रहे हैं। संवादहीनता, अलग-अलग मूल्यों, पारिवारिक उलझनों, बच्चों द्वारा स्वायत्तता चाहने या कभी-कभार उनके मेंटल हेल्थ को प्राथमिकता पर रखने के कारण ऐसा हो सकता है। इस बढ़ती दूरी के पांच मुख्य कारण हैं।

1. रिश्तों में उलझन और मर्यादाओं का अभाव : अत्यधिक दखलअंदाजी करते पैरेंट्स, जो बिना मांगे सलाह देते हैं और वयस्क बच्चे की निजता और आजादी का सम्मान नहीं करते।

2. बुनियादी असहमति : धर्म या लाइफस्टाइल की पसंद को लेकर गहरे मतभेद, जो न पाटी जा सकने वाली खाई बना देते हैं।

3. अनसुलझे विवाद और आलोचना : बार-बार बहस और टोका-टाकी से वयस्क बच्चे को लग सकता है कि उसे महत्व नहीं दिया जा रहा है या उस पर हमले हो रहे हैं।

4. टॉक्सिक व्यवहार और बड़े बदलाव : पैरेंट्स द्वारा मर्यादाओं का सम्मान नहीं करना या तलाक जैसे बदलाव दूरियां बढ़ने का कारण हो सकते हैं।

5. बाहरी लोगों का प्रभाव : बच्चों के ऑनलाइन फ्रेंड्स या आउटसाइडर्स के नकारात्मक प्रभाव से भी दूरियां बढ़ाने की सोच पनपती है।

अब सवाल है कि इस टकराव को सही कैसे करें? पहले यह समझना जरूरी है कि अब दूरी के मामले ज्यादा क्यों दिख रहे हैं? फिजियोलॉजिस्ट और रिश्तों में दूरियों से बचने या ठीक करने संबंधी सुझाव देने वाले विशेषज्ञ जोशुआ कोलमैन कहते हैं कि 'कई बच्चों को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि उनका बचपन ही उनके मौजूदा डिप्रेशन का मुख्य कारण है। वो तनावभरी दुनिया नहीं, जिसे उन्होंने करियर के लिए अपनाया है।' रिश्तों में दूरी से बचने के लिए वे कुछ सुझाव देते हैं।

याद रखिए, सभी पैरेंट्स यह नहीं सुनना चाहते कि उन्होंने अपने बच्चों की उपेक्षा की या दिल दुखाया। बच्चों को भी जानना चाहिए कि पैरेंट्स के लिए उनकी शिकायतें सुनना और डिफेंसिव नहीं हो पाना सच में कठिन होता है, जब तक कि वे बहुत अच्छे कम्युनिकेटर न हों। बच्चों को उन्हें बताना चाहिए कि उनकी पैरेंटिंग में उन्हें क्या पसंद है।

उन्होंने पैरेंट्स से क्या मूल्य सीखे हैं और इस खूबसूरत दुनिया में लाने के लिए उनकी प्रशंसा करनी चाहिए। फिर स्पष्टत: बता सकते हैं कि पैरेंट्स को कौन-सा व्यवहार थोड़ा सुधारना चाहिए। पैरेंट्स के लिए यह समझना जरूरी है कि वे शिकायत वाली इस बातचीत को पूरा होने दें। यह प्रभावित रिश्ते को रिपेयर करेगा। बहुत अच्छा होगा अगर पैरेंट्स अपनी कमजोरियों को स्वीकार कर कह सकें कि 'मैं सुनने को तैयार हूं कि मेरे कौन-से व्यवहार ने तुम्हें प्रभावित किया।'

फंडा यह है कि शांत बातचीत, पैरेंट्स का छोटी-मोटी चीजें नजरअंदाज करने का रवैया, बचपन से ही बच्चों में बड़ों के प्रति सहानुभूति पैदा करना और सबसे जरूरी उन्हें महज चीजें देकर खुश करने के बजाय अनुभवों से गुजारना- ये ऐसे कदम हैं, जो रिश्तों में दूरियां बढ़ने को रोक सकते हैं।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

आस्था के ठउर म अंधविश्वास संग अउ कतकों किसम के खेल देखे ले मिलथे जी भैरा, फेर कतकों बेर इहू देखे म आथे के कोनो विघ्न संतोषी किसम के लोगन मन कोनो ठोस अउ पोठ साधक ल गलत तरीका ले बदनाम करे के घलो उदिम कर बइठथें.

-ए बात तो हे जी कोंदा.. जब ले सोशलमीडिया आय हे तब ले एती के मुड़ी ल ओती अउ वोती के ल एती जोड़ के लोगन ल भरमावत रहिथें.

-अइसने कोरबा के एक मनखे ल रायगढ़ पुलिस ह गिरफ्तार करे हे.. वो ह पाछू पच्चीस बछर ले हठयोग म बइठे बाबा सत्यनारायण जी के बारे म बहुत ही अशोभनीय बुता करे रिहिसे.

-पूरा छत्तीसगढ़ बर गौरव अउ आदर्श बने तपस्वी बाबा के बारे म गा?

-हव.. रायगढ़ के आशीष यादव ह कुछ दिन पहिली बाबा जी जगा अपन बेटा ल आशीर्वाद देवाय बर लेगे रिहिसे, उही बखत वोकर विडीयो बनाए रिहिसे अउ वोला सोशलमीडिया म पोस्ट करे रिहिसे.. उही विडीयो ल एती-तेती कर के आरोपी मन एक नोनी संग बाबा ह अनफभिक व्यवहार करत हे कहिके पोस्ट ल बगराए रिहिसे.

-वाह भई.. बाबा जी जगा तो कतकों भक्त मन जनमदिन या आने बेरा म आशीष देवाय बर लइका मनला लेगथें.. बाबा जी वो लइका मनला मया दुलार करत आशीष घलो देथें.

मंथन : हम अपनों को तभी बचा पाएंगे जब खुद सावधान होंगे

दुनियाभर के बाजार आज एआई में जमकर निवेश कर रहे हैं। दीवानों ने दर्द को ही दवा बना लिया है। हर बात का निदान एआई में ढूंढा जा रहा है। हमारे यहां दो स्तरों पर एआई से जुड़कर काम होना चाहिए- एक देश के स्तर पर, दूसरा परिवार के लिए।

एआई से विकास तो हो, लेकिन ये तकनीक देश से काम को कम ना कर दे, वरना काम करने वाले और बेरोजगार हो जाएंगे। एआई को लेकर अमेरिका और चीन में जमकर मुकाबला चल रहा है। इन दोनों ही देशों में परिवार का ढांचा बिखरा हुआ है। तो हमें एआई से बाजार में फायदा हो, ऐसा तो सोचना है, लेकिन परिवार की सुरक्षा पर भी चिंतन करना है।

पूरी दुनिया के देश शायद परिवार संस्था को लेकर इतने गम्भीर ना हों, पर हम भारतीयों को चाहिए कि एआई की चपेट में हमारी गृहस्थी ना आ जाए, दाम्पत्य जीवन बिखर ना जाए। क्योंकि हम एआई से बच्चों को तब बचा पाएंगे, जब माता-पिता खुद सावधान हों। आज तो बारूद के ढेर की हिफाजत चिंगारी के हाथ में दे दी गई, ऐसा दृश्य देखने में आ रहा है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

एआई समिट : भारत के साथ आए अमेरिका, रूस और चीन, मेनिफेस्टो पर 88 देशों ने किए साइन

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के घोषणापत्र पर कुल 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, डेनमार्क, रूस और जर्मनी भी शामिल हैं. सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार (21 फरवरी) को यह जानकारी दी. यह एआई के प्रभावों पर आयोजित शिखर सम्मेलन को मिले वैश्विक समर्थन को दर्शाता है.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यूमन सेंटर्ड एआई की दृष्टि को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया है. एआई संसाधनों, सेवाओं और टेक्नोलॉजी को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने का लक्ष्य सभी देशों ने स्वीकार किया है.' उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक भलाई को संतुलित करने को प्राथमिकता दी जा रही है. वैष्णव ने कहा, 'सिर्फ आर्थिक वृद्धि ही नहीं, सामाजिक सामंजस्य पर भी ध्यान देना जरूरी है. सुरक्षा और भरोसा इस योजना के केंद्र में हैं और इन्हें मुख्य बिंदुओं में शामिल किया गया है.'

घोषणापत्र में इनोवेशन पर दिया गया जोर

उन्होंने कहा कि घोषणापत्र के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में इनोवेशन और मानव संसाधन के विकास पर भी जोर दिया गया है. केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, 'इन सभी क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सभी देशों ने सहमति जताई है. इस सम्मेलन में भाग लेने वाले अधिकांश देशों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया. इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, डेनमार्क, मिस्र, इंडोनेशिया और जर्मनी शामिल हैं.' एआई इंपैक्ट समिट में केवल एआई से संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए 250 अरब डॉलर से अधिक का निवेश सुनिश्चित किया गया.

भारत के विजन पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मुहर

इस घोषणा का 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने समर्थन किया है. इनमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भूटान, ब्राजील, कनाडा, डेनमार्क, एस्टोनिया, इथियोपिया, जापान, इटली, इजराइल और आयरलैंड शामिल हैं. समर्थन देने वाले अन्य देशों में इंडोनेशिया, ईरान, हंगरी, यूनान, जर्मनी, फिनलैंड, मेक्सिको, म्यांमार, नेपाल, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ओमान, फिलीपींस, पेरू, रोमानिया, रवांडा, सेनेगल, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, स्पेन, श्रीलंका, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, तंजानिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूक्रेन शामिल हैं. इसके अलावा यूरोपीय संघ (EU) और अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के रूप में दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी इस घोषणा का समर्थन किया है।

भारत और ब्राजील के बीच ऐतिहासिक ट्रेड डील

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील में शनिवार को ऐतिहासिक ट्रेड डील हुई है. साथ ही दोनों देश 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना, करीबन 30 बिलियन डॉलर करने पर सहमत हुए हैं. इनके अलावा जरूरी मिनरल्स और स्टील सप्लाई चेन में सहयोग के लिए भी एग्रीमेंट साइन किए गए हैं. दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष पीएम नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने अपनी बातचीत में मल्टीलेटरलिज्म को मजबूत करने और इसपर ध्यान देने को लेकर सहमति जताई है.

लूला 300 बिजनेस प्रतिनिधियों के डेलीगेशन के साथ भारत आए. इस दौरान उन्होंने एआई समिट में शिरकत करने के बाद पीएम मोदी के साथ दोनों देशों के आपसी रिश्तों को मजबूती देने और इसे रिव्यू करने को लेकर मुलाकात की. दरअसल, दोनों देश पर अमेरिका की तरफ से 50% टैरिफ लगाने का फैसला किया था. यह दुनिया का सबसे ज्यादा टैरिफ था, जिसे किसी देश पर लगाया गया था. इसके अलावा दोनों देशे के बीच रक्षा-सुरक्षा, तेल और गैस, हेल्थकेयर और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे एरिया में सहयोग बढ़ाने का भी वादा किया. साथ ही वैश्विक स्तर पर स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की जरूरत पर भी जोर दिया. पीएम मोदी और राष्ट्रपति सिल्वा ने एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

भारत के खिलाफ आतंकी साजिश? तमिनलाडू से 6 संदिग्धों की गिरफ्तारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है. इन पर पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों के समर्थन में ऑनलाइन सामग्री पोस्ट करने का आरोप है. सूत्रों के अनुसार, तिरुपुर में कुछ व्यक्तियों की ओर से सोशल मीडिया पर चरमपंथी और आतंकी समर्थन वाली कंटेंट साझा किए जाने की खुफिया जानकारी मिली थी. इसके बाद दिल्ली पुलिस की क्यू ब्रांच की एक विशेष टीम जांच के लिए तिरुपुर पहुंची.

ANI के मुताबिक जांच के दौरान पुलिस ने छह संदिग्धों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया. इनमें दो आरोपियों को उथुकुली से, तीन को पल्लडम से और एक को थिरुमुरुगनपुंडी इलाके से पकड़ा गया. शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित तौर पर अपनी पहचान छिपाने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे. इन दस्तावेजों के जरिए वे तिरुपुर के गारमेंट उद्योग में रोजगार बनाए हुए थे. दिल्ली पुलिस की तरफ से तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों के नाम मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबात, उमर, मोहम्मद लिटन, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्ज्वल है. वहीं इस मामले में पश्चिम बंगाल से दो और आरोपियों की गिरफ्तार किया गया है. इस तरह से दिल्ली पुलिस ने अब तक कुल 8 लोगों को गिरफ्तार किया है.दिल्ली पुलिस की टीम ने आरोपियों के पास से 8 मोबाइल फोन और 16 सिम कार्ड जब्त किए हैं. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच की जाएगी, ताकि नेटवर्क और संभावित संपर्कों का पता लगाया जा सके.

गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए ट्रेन से दिल्ली ले जाया गया है. पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनका किसी बड़े नेटवर्क से संबंध तो नहीं है. इस कार्रवाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है.

ट्रंप ने 10 से बढ़ाकर 15 परसेंट किया टैरिफ, भारत पर क्या पड़ेगा असर?

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को 10 से बढ़ाकर 15% कर दिया है. अब इसको लेकर भारत पर असर होने का अनुमान लगाया जा रहा है. ऐसे में जब फंड मैनेजर समीर अरोड़ा ने ट्रंप की तरफ से ग्लोबल टैरिफ बढ़ाने और इसके असर को लेकर एक पोस्ट किया है. इसमें उन्होंने कहा कि इससे भारत पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा. उन्होंने इसे कम करके आंका है.

साथ ही कहा है कि वॉशिंगटन में राजनीतिक और कानूनी नाटक के बाद भी भारत की स्थिति काफी हद पहले जैसी है. 20 फरवरी को यूएस की सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 से फैसला सुनाते हुए, राष्ट्रपति के ग्लोबल टैरिफ आदेश को रद्द कर दिया था. इसे कोर्ट ने एकतरफा बताया था. इसके बाद ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि उनका प्रशासन टैरिफ लगाने के लिए नए कानूनी रास्ते अपनाएगा.

हेलिओस कैपिटल के फाउंडर समीर अरोड़ा ने क्या कहा है?

हेलिओस कैपिटल के फाउंडर समीर अरोड़ा ने तर्क दिया है कि इस कदम से भारत को सिर्फ नुकसान नहीं हुआ है. उन्होंने अपने पोस्ट में आठ पॉइंट में जिक्र किया है. इसमें कहा है कि भारत की बात है तो 15 प्रतिशत में कुछ भी गलत नही है. उन्होंने बताया कि 90 से ज्यादा देश जो पहले 10% टैरिफ के दायरे में थे, अब 15% पर हैं. इसमें ऑस्ट्रेलिया, यूके, सिंगापुर और यूएई जैसे अमेरिका के व्यापारिक साझेदार देश हैं. उन्होंने कहा कि दिक्कत तब होती है, जब देशों पर अलग-अलग टैरिफ लगाया जाता. लेकिन अगर सभी देशों पर एक जैसा टैरिफ लगाया जाता है, तो इससे क्या फर्क पड़ता है. यह यूएस के अंदरूनी टैक्स से जुड़ा मामला है।

असम चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए भूपेन बोरा

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने रविवार (22 फरवरी 2026) को भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थाम लिया. उन्होंने राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कुछ दिन पहले ही कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था. उनके साथ कांग्रेस के पूर्व कार्यकर्ता संजू बोरा ने भी पार्टी बदलकर बीजेपी की सदस्यता ले ली.ANI के मुताबिक भूपेन बोरा ने इस सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस से इस्तीफा दिया था, हालांकि पार्टी आलाकमान ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया था. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें मनाने की कोशिश की और उनके आवास पर मुलाकात भी की. राहुल गांधी ने भी उनसे बातचीत की थी. बोरा ने अपने फैसले पर पुनर्विचार के लिए समय मांगा था, लेकिन एक दिन बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा उनके घर पहुंचे और घोषणा की कि वह 22 फरवरी को बीजेपी में शामिल होंगे।

CIA के Ex-अफसर ने बता दिया US आर्मी का पूरा प्लान

ईरान पर कब हमला करेगा अमेरिका?

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु हथियार बनाने को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है. अमेरिका ने अपने एयरक्राफ्ट कैरियर से ईरान की घेराबंदी कर दी है, जिन पर F-22 रैप्टर और F-35 जैसे 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट तैनात हो सकते हैं. इसके अलावा C-17 ग्लोबमास्टर जैसे सैन्य मालवाहक विमानों से मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी एयरबेस पर हथियार और अन्य सामान उतारा जा रहा है. इस बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के पूर्व अफसर ने ईरान पर हमला करने की संभावित तारीख बताई है.

सीआईए के पूर्व अफसर का चौंकाने वाला दावा

सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू की मानें तो यूएस अगले हफ्ते की शुरुआत में ईरान के खिलाफ सैन्य हमले को लेकर आखिरी फैसला करेगा, हालांकि वाशिंगटन की ओर से पब्लिक मैसेज इस ओर इशारा करते हैं कि कूटनीति का रास्ता अभी खुला हुआ है. न्यूयार्क के मशहूर जूलियन डोरे पॉडकास्ट के दौरान पूर्व सीआईए अफसर ने कहा, उनके व्हाइट हाउस का दौरा कर चुके एक पूर्व खुफिया सहयोगी से पता चला है कि ईरान पर हमला जल्द हो सकता है. किरियाकू ने बताया, 'मेरा एक दोस्त पूर्व सीआईए अधिकारी है, वह व्हाइट हाउस में अपने दोस्तों से बात कर रहा था, उसने बताया कि 23 या 24 फरवरी को ईरान पर हमला करने का फैसला लिया गया है.'

मिडिल ईस्ट में US के ठिकानों पर हलचल

CIA के पूर्व अफसर के दावों के बीच खबरें बताती हैं कि यूएस ने मिडिल ईस्ट में महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने पर अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाना शुरू कर दिया है. द न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक, कतर के अल उदैद अड्डे से सैनिकों को ट्रांसफर किया जा रहा है. बहरीन से लेकर इराक, सीरिया, कुवैत, यूएई, जार्डन और सऊदी अरब में अमेरिकी ठिकानों पर बदलाव देखने को मिला है.

ईरान भी जवाबी कार्रवाई में जुटा

अमेरिका के संभावित हमले को लेकर ईरान भी तैयारियों में जुटा है. ईरान ने अपने संयुक्त राष्ट्र मिशन के जरिए कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि इलाके में दुश्मन देश की सेना के सभी अड्डे टारगेट में होंगे. जवाब में यूएस भी अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा को कड़ा करने में जुटा है, जिसमें एयर डिफेंस की स्थिति में बदलाव से लेकर एयरक्राफ्ट करियर को ईरानी इलाके से सुरक्षित दूरी पर रखना शामिल है.

अहमदाबाद में टीम इंडिया 'शर्मसार' 76 रनों से जीता दक्षिण अफ्रीका

अभिषेक-सूर्या से हार्दिक तक सभी फ्लॉप

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रनों से हराकर चौंका दिया है. मैदान भारत का, फैंस भारत के, परिस्थितियां टीम इंडिया के अनुकूल, लेकिन जीता दक्षिण अफ्रीका. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 187 रनों का स्कोर खड़ा किया था. जवाब में टीम इंडिया पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और 111 रनों पर सिमट गई.

188 रनों के विशालकाय लक्ष्य का पीछा करने आई टीम इंडिया पावरप्ले के भीतर 31 रन बना पाई और 3 विकेट खो चुकी थी. अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार '0' पर आउट होने के दबाव में थे. इस बार उन्होंने खाता तो खोला, लेकिन पूरी तरह आउट ऑफ टच दिखे. अभिषेक 12 गेंद में 15 रन बना सके. तिलक वर्मा और ईशान किशन भी फ्लॉप रहे.सूर्यकुमार यादव कुछ देर क्रीज पर टिके रहे, वहीं हार्दिक पांड्या भी 18 रन बनाकर चलते बने. देखते ही देखते 88 के स्कोर तक आते-आते 8 विकेट गंवा चुका था. वाशिंगटन सुंदर को भी शुरुआत मिली, लेकिन केवल 11 रन बना सके.

टीम इंडिया के लिए केवल शिवम दुबे ही दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का डटकर सामना कर सके. उन्होंने 37 गेंद में 42 रनों की पारी खेली. दुबे 19वें ओवर तक लड़ते रहे, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिला. आठवें क्रम तक टीम इंडिया के पास बल्लेबाजी थी. आठवें नंबर पर रिंकू सिंह बल्लेबाजी करने आए, जो खाता तक नहीं खोल पाए.पहले बल्लेबाजी करने आई दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 20 रन तक आते-आते पहले 3 विकेट खो दिए थे. मगर डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स, इन तीनों ने मिलकर 152 रन जोड़ डाले. मिलर ने 35 गेंद में 63 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के लगाए. वहीं ब्रेविस ने 29 गेंद में 45 रन और ट्रिस्टन स्टब्स 44 रनों की तूफानी पारी खेल नाबाद लौटे. भारतीय गेंदबाज इन तीनों बल्लेबाजों पर लगाम नहीं कस पाए.

गेंदबाज हिट तो बल्लेबाज फ्लॉप सुपर-8 का मैच हारा श्रीलंका

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों से हराकर चौंका दिया है. जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स ने गेंदबाजी में ऐसा कहर बरपाया कि श्रीलंकाई बल्लेबाजों की एक ना चली. कप्तान दासुन शनाका ने अंत तक लड़ाई लड़ी, लेकिन निश्चित हार को टाल नहीं पाए. पल्लेकेले स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 146 रन बनाए थे. जवाब में श्रीलंकाई टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 95 रनों पर ऑलआउट हो गई.

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय श्रीलंका पर भारी पड़ा. श्रीलंका की बात करें या इंग्लैंड की, पूरे मैच में गेंदबाजों का ही दबदबा रहा, इसलिए दोनों पारियों में कुल मिलाकर 19 विकेट गिरे. शुरुआत में ही विल जैक्स और जोफ्रा आर्चर ने लगातार श्रीलंकाई टीम को झटके दिए, जिससे वह उबर ही नहीं पाया.सुपर-8 में इंग्लैंड के लिए यह जीत किसी चमत्कार से कम नहीं है. श्रीलंका अपने घर पर खेल रहा था, उसकी टीम परिस्थितियों को बेहतर जानती थी. वहीं इंग्लैंड टीम पहले बैटिंग करते हुए 146 रन ही बना सकी थी. यहां तक सबकुछ अंग्रेजों के खिलाफ ही जा रहा था, लेकिन जब गेंदबाजी की बारी आई तो इंग्लिश टीम श्रीलंका से कहीं बेहतर साबित हुई. जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स का शुरुआती स्पेल इतना घातक रहा कि श्रीलंका टीम के 5 विकेट मात्र 34 के स्कोर तक गिर चुके थे. कप्तान दासुन शनाक लड़ाई लड़ते रहे और 24 गेंदों में 30 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए. उन्हें बल्लेबाजी में दूसरे छोर से साथ नहीं मिला. इंग्लैंड के लिए गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर ने 2 विकेट लिए, वहीं विल जैक्स 3 विकेट चटकाकर सबसे सफल गेंदबाज रहे. आदिल रशीद और लियाम डॉसन ने भी दो-दो विकेट लिए. जेमी ओवर्टन भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे।

महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की चर्चा तेज

नई दिल्ली। होली से पहले महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं. माना जा रहा है कि केंद्र सरकार जनवरी-जून 2026 अवधि के लिए केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के डीए में बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती हैं. हालांकि बीते पांच वर्षों के ट्रेंड पर नजर डालें तो मार्च की शुरुआत में पड़ने वाली होली से पहले ऐसी घोषणा आम तौर पर नहीं होती. इससे पहले जुलाई-दिसंबर साइकिल के लिए 1 अक्टूबर 2025 को 3 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई थी. जिसके बाद फिलहाल कर्मचारियों को 58 प्रतिशत डीए मिल रहा है. केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े कर्मचारियों और पेंशनर्स को उम्मीद है कि सरकार अगले संशोधन में 2 प्रतिशत की डीए बढ़ोतरी कर सकती है. यदि ऐसा होता है तो डीए मौजूदा 58 प्रतिशत से बढ़कर बेसिक सैलरी के 60 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा डीए बढ़ोतरी का फैसला ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (AICPI) डेटा में बदलाव और आखिरी महीनों के महंगाई आंकड़ों पर निर्भर करने वाला है।

बैंक लॉकर से गायब हुए 60 लाख रुपये के गहने, बैंकिंग सिस्टम में हड़कंप

नई दिल्ली। बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के हिसाब से लॉकर खोला गया, जिसमें से 60 लाख के गहने गायब पाए गए. दिल्ली में महिला के इस दावे ने हड़कंप मचा दिया है. इंसान अपने गहनों की अधिक सुरक्षा के लिए उन्हें मोटी फीस के एवज में बैंक के लॉकर में रखता है, लेकिन अगर लॉकर से ही गहने गायब हो जाए तो फिर क्या ही कहने! राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक ऐसा ही मामला सामने आया है. यहां की एक महिला ने अपने बैंक के कीर्ति नगर ब्रांच के लॉकर में रखे 60 लाख रुपये के सोने के गहने गायब हो जाने का दावा किया है.

दिल्ली पुलिस ने कहा कि महिला का दावा है कि बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के हिसाब से लॉकर खोला गया था, जिसमें से गहने गायब पाए गए. इस बारे में महिला ने बैंक अधिकारियों को जानकारी दी और पुलिस से भी संपर्क किया. महिला का आरोप है कि लॉकर में रखे उसके सोने के गहने चोरी हो गए हैं. हालांकि, दिल्ली पुलिस का यह भी कहना है कि लॉकर में जबरदस्ती घुसने या छेड़छाड़ के कोई निशान नहीं दिखे. क्राइम ब्रांच से मौके पर आई टीम ने लॉकर की जांच भी की.

पुलिस की जांच में क्या आया सामने?

बैंक लॉकर में चोरी होने की खबर मिलने के साथ कई लॉकर होल्डर अपना कीमती सामान वेरिफाई करने के लिए ब्रांच पहुंचे. हालांकि, किसी भी दूसरे कस्टमर ने सामान चोरी या गायब हो जाने की शिकायत नहीं की. पुलिस ने भी जांच के दौरान पाया कि लॉकर की इन्वेंट्री चेक के दौरान कोई दूसरा लॉकर टूटा हुआ या छेड़छाड़ किया हुआ नहीं मिला. बैंक रिकॉर्ड से पता चलता है कि शिकायत करने वाले के लॉकर को पहले भी एक्सेस किया गया था. इस पर केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई चल रही है।

बांग्लादेश को हराकर भारत बना एशिया कप का चैंपियन

नई दिल्ली। इंडिया ए ने रविवार को खेले गए एसीसी विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स के फाइनल में

बांग्लादेश को 46 रनों से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता. फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 134 रन बनाए थे. तेजल हसबनीस ने अर्धशतक जड़ा. कप्तान राधा यादव ने 36 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली. डिफेंड करते हुए प्रेमा रावत ने शानदार गेंदबाजी की, उन्होंने 4 ओवरों में सिर्फ 12 रन दिए और 3 विकेट चटकाए. सोनिया मेंधिया और तनुजा कंवर ने 2-2 विकेट लिए. फाइनल में 135 रनों का पीछा करते हुए बांग्लादेश का पहला विकेट तीसरे ओवर में गिरा था. साइमा ठाकोर ने इश्मा तंजीम (3) को आउट किया, इसके बाद अन्य ओपनर शमीमा सुल्ताना (20) को प्रेमा रावत ने अपना शिकार बनाया. 10वें ओवर में कप्तान राधा यादव को पहला विकेट मिला, 47 के स्कोर पर सर्मिन सुल्ताना (18) को उन्होंने कैच आउट कराया. आस्किंग नेट रन रेट बढ़ने के साथ बांग्लादेश पर दबाव बढ़ता गया और मिडिल आर्डर पूरी तरह विफल नजर आया. कप्तान फाहिमा खातून (14) को मिन्नु मनी ने आउट किया, जिसके बाद बांग्लादेश की हार लगभग कन्फर्म हो चुकी थी. बांग्लादेश के 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए, टीम 88 रनों पर ढेर हो गई.

अंतरराष्ट्रीय हालातों से सोने-चांदी में आई तेजी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हालात और घरेलू बाजार की हलचल के बीच शनिवार, 21 फरवरी 2026 को सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है. पूरी दुनिया में जारी आर्थिक गतिविधियों और प्रमुख घटनाक्रमों पर निवेशकों की नजर बनी हुई है. जिसके कारण कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव जारी है. निवेशक भी सतर्क होकर सोने-चांदी में निवेश का फैसला ले रहे हैं. दिल्ली, मंबई, कोलकाता और चेन्नई में चांदी की कीमतों में आज तेजी देखने को मिल रही है. दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में 10 ग्राम चांदी आज 2,750 रुपये की दर पर बिक रहा है. वहीं, 100 ग्राम चांदी खरीदने के लिए ग्राहकों को 27,500 रुपये खर्च करने होंगे।

सीनियर सिटिजन्स को कई बैंकों में मिल रहा ज्यादा ब्याज

FD करवाने का है प्लान, यही है सही मौका

सीनियर सिटिजन्स अपने निवेश को सुरक्षित रखने को सबसे पहले प्राथमिकता देते हैं. शायद यही कारण है कि, आज भी बैंक एफडी उनकी पहली पसंद इसलिए ही बनी हुई है. एफडी पर नियमित और फिक्स रिटर्न इसे इतना फेमस बनाती है. हालांकि, अलग-अलग सरकारी और प्राइवेट बैंकों की ब्याज दरों में बदलाव होता है.

ऐसे में जरूरी है कि, जहां ज्यादा ब्याज मिले वहां पैसों का निवेश किया जाए. इससे दूसरों की तुलना में आप ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं. अगर आप भी सीनियर सिटिजन्स की श्रेणी में आते हैं और बैंक में एफडी की योजना बना रहे हैं तो, आपको विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना जरूर कर लेनी चाहिए. आइए जानते हैं, इनके बारे में.। सरकारी बैंकों में सीनियर सिटीजन ग्राहकों को फिक्स्ड डिपॉजिट पर आकर्षक ब्याज दरें मिल रही हैं. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा वरिष्ठ नागरिकों को 7 प्रतिशत की दर से रिटर्न दे रहा है. जबकि पंजाब नेशनल बैंक की ओर से 6.90 प्रतिशत ब्याज ऑफर किया जा रहा है.

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया सीनियर सिटीजन को 6.75 प्रतिशत की दर से एफडी पर रिटर्न दे रहा है. वहीं दूसरे सरकारी बैंकों की बात करें तो बैंक ऑफ महाराष्ट्र और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया दोनों ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए 6.70 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान कर रहे हैं.

प्राइवेट बैंक की ब्याज दरें

प्राइवेट सेक्टर के बैंकों में भी सीनियर सिटीजन ग्राहकों को फिक्स्ड डिपॉजिट पर आकर्षक ब्याज दरें मिल रही हैं. जानकारी के अनुसार, यस बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 प्रतिशत रिटर्न दे रहा है. जबकि बंधन बैंक और RBL बैंक दोनों ही 7.70 प्रतिशत की दर से ब्याज ऑफर कर रहे हैं. इसके अलावा IDFC फर्स्ट बैंक और इंडसइंड बैंक सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.50 प्रतिशत की दर से एफडी पर रिटर्न प्रदान कर रहे हैं. इस तरह निजी बैंकों में भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए एफडी निवेश पर प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें देखने को मिल रही हैं.

साप्ताहिक शहर सत्ता

छत्तीसगढ़ का शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय अद्वितीय

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने नवा रायपुर में बने देश का पहला डिजिटल संग्रहालय का किया अवलोकन

शहर सत्ता/रायपुर। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने आज राजधानी नवा रायपुर के आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में बने देश के पहले डिजिटल संग्रहालय का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का यह जनजातीय संग्रहालय अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को जनजातीय इतिहास और संस्कृति से वाकिफ होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अंदोलनों और शौर्य गाथाओं पर संग्रहालय में बने प्रत्येक गैलरी को निकट से देखा। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में जनजातीय आंदोलनों की स्मृतियां लोगों को शोषण एवं अन्याय के खिलाफ एक जुट होने और उसका प्रतिकार करने के लिए प्रेरित करेंगी।

आदिमजाति विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा ने जनजातीय संग्रहालय पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस श्री सूर्यकांत, जस्टिस श्री पी.एस.नरसिम्हा, जस्टिस श्री प्रशांत कुमार और हाईकोर्ट बिलासपुर के चीफ जस्टिस श्री रमेश सिन्हा, राजस्थान के चीफ जस्टिस श्री कल्पथी राजेंद्रन श्रीराम सहित अन्य न्यायाधीश गण का बीरनमाला से आत्मीय स्वागत करने के साथ ही उन्हें स्मृति स्वरूप जनजातीय जीवन पर आधारित भित्ती चित्र भेंट किया। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने जनजातीय संग्रहालय के अवलोकन के दौरान चीफ जस्टिस श्री सूर्यकांत सहित अन्य न्यायाधीश गणों को जनजातीय विद्रोहों की पृष्ठिभूमि और जनजातीय नायकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

श्री बोरा ने संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में प्रदर्शित विद्रोहों को साल, साजा और महुआ के प्रतिकात्मक वृक्ष के पत्तों के जरिये समझाने का प्रयास किया गया है। संग्रहालय में बने यह वृक्ष उसी तरह से है जिस तरह से मोशन फिल्मों में एक वृद्ध व्यक्ति फिल्म की कहानी बताते है।

चीफ जस्टिस श्री सूर्यकांत ने जनजातीय संग्रहालय में प्रदर्शित भूमकाल विद्रोह के बारे में जानकर काफी प्रभावित हुए। यह विद्रोह बस्तर क्षेत्र के चित्रकोट के आस-पास वर्ष 1910 में हुआ था। यह विद्रोह 20 वर्षीय जननायक गुंडाधुर के नेतृत्व में, औपनिवेशिक वन नीतियों, जमींदारों के शोषण और बाहरी हस्तक्षेप के विरूद्ध था, जिसमें आदिवासियों ने पारंपरिक हथियारों से अंग्रेजों के खिलाफ किया था। चीफ जस्टिस ने संग्रहालय में शहीद वीर नारायण सिंह की तलवार सहित अन्य जनजातीय नायकों द्वारा विद्रोह के दौरान उपयोग में लाए गए अस्त्र-शस्त्र का भी अवलोकन किया। चीफ जस्टिस ने गैलरी में स्थापित मां दंतेश्वरी का प्रतिकात्मक डिजिटल मंदिर से काफी प्रभावित हुए उन्होंने दो बार घंटी बजाकर मां दंतेश्वरी के दर्शन किया। उन्होंने आगामी समय बस्तर (दंतेवाड़ा) जाकर मां दंतेश्वरी की साक्षात दर्शन करने की इच्छा जाहिर की। उल्लेखीनय है कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव रजत जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 01 नवबंर 2025 को इस भव्य डिजिटल संग्रहालय को लोगों को समर्पित किया था। तब से आगुन्तकों के लिए यह संग्रहालय आर्कषण एवं उत्साह का केंद्र बना हुआ है। जनसमुदाय में इस संग्रहालय के प्रति आकर्षण और लोकप्रियता को देखते हुए इसके द्वितीय चरण के विस्तार की तैयार की जा रही है।

चुनौतियों से मुकाबला करने 'सीखो सिखाओ, अंजोर फैलाओ' प्रोग्राम

शहर सत्ता/रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के मार्गदर्शन में प्रोजेक्ट संकल्प के तहत वर्ष 2026 के लिए दो चरणों में विभागीय अधिकारियों और अधीक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के सभी आश्रम-छात्रावासों में 'प्रोजेक्ट संकल्प' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य 'सीखो-सिखाओ, अंजोर फैलाओ' की कार्य संस्कृति को संस्थागत स्वरूप देना तथा विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों से सफलतापूर्वक मुकाबला करने के लिए तैयार करना है।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा है कि छात्रावास केवल आवासीय सुविधा का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व विकास के सशक्त मंच हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को गंभीरता से लिया जाए, ताकि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच विकसित हो सके। प्रशिक्षण का कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न होगा ।प्रथम चरण में जनजाति बाहुल्य 21 जिलों के सहायक आयुक्तों का 2.5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में "जीवन के रंग, खुशियों के संग" कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करते हुए जिलों में कार्यान्वयन की रणनीति तैयार की जाएगी। प्रशिक्षण उपरांत सभी जिलों द्वारा अपने-अपने छात्रावासों के लिए कार्ययोजना विभाग को प्रस्तुत की जाएगी।द्वितीय चरण में छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों के लिए 8 दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा।

पर्यटन मंत्रालय की पहल 'देखो अपना देश' से जागा युवाओं में उत्साह

शहर सत्ता/रायपुर। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय इंडिया टूरिज्म, मुंबई द्वारा स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, रायपुर (एसआईएचएम) के सहयोग से 'देखो अपना देश' ब्रोशर निर्माण प्रतियोगिता, पुरस्कार वितरण समारोह एवं पर्यटन शिक्षा प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में भारत के विविध पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों से उन्हें परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री इंद्र कुमार साहू, विधायक अभनपुर तथा पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक श्री मोहम्मद फारूक मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त पश्चिम एवं मध्य क्षेत्रीय कार्यालय के प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की डीजीएम सुश्री पूनम शर्मा, आईएचएम रायपुर के वरिष्ठ लेखा अधिकारी श्री समीर मिश्रा तथा संस्थान के प्राचार्य विवेक आचार्य के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के विजेताओं को नकद पुरस्कार (चेक), पदक, किट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यभर से लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, दुधली के छात्रों ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार हासिल कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बैकुंठपुर एसईसीएल एवं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महाराजपुर कवर्धा ने राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

51 फीट की दिव्य वनवासी श्रीराम की प्रतिमा ग्वालियर से रवाना

कौशल्या धाम, चंद्रखुरी में स्थापित होगी श्री राम की नई मूर्ति

शहर सत्ता/रायपुर। भगवान श्रीराम के ननिहाल के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर स्थित माता कौशल्या धाम, चंद्रखुरी में शीघ्र ही 51 फीट ऊँची वनवासी स्वरूप की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह विशाल प्रतिमा मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक शहर ग्वालियर से विधिवत रूप से रवाना हो चुकी है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा द्वारा इस प्रतिमा का निर्माण किया गया है। ग्वालियर स्थित सेंड स्टोन आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर में महीनों की कठिन साधना और उत्कृष्ट शिल्प कौशल से तैयार यह प्रतिमा भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और कला का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है।

वनवासी स्वरूप में प्रभु श्रीराम की दिव्य छवि

यह प्रतिमा भगवान श्रीराम के वनवासी स्वरूप को दर्शाती है, जिसमें वे धनुष-बाण धारण किए, संयम, त्याग और मर्यादा के प्रतीक रूप में दिखाई देंगे। प्रतिमा को विशेष रूप से मजबूत और टिकाऊ 'सेंड मिंट स्टोन' से निर्मित किया गया है, जो अपनी मजबूती और दीर्घायु के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे श्रीराम वनगमन पथ परियोजना के अंतर्गत पूर्व में भी दो भव्य प्रतिमाएं स्थापित कराई जा चुकी हैं। इनमें शिवरीनारायण मंदिर तथा सीता रसोई प्रमुख हैं। इन स्थलों पर स्थापित प्रतिमाओं की कलात्मकता और आकर्षण को देखते हुए ही 51 फीट ऊँची इस प्रतिमा का निर्माण कार्य दीपक विश्वकर्मा को सौंपा गया था।

रामवनगमन पथ को मिलेगा नया आयाम

चंद्रखुरी को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है, जहाँ माता कौशल्या का मायका स्थित है। यहां पहले से स्थापित श्रीराम प्रतिमा के स्थान पर अब यह नई विराट प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिससे यह स्थल न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी नई ऊँचाइयों को छुएगा। राज्य सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे श्रीराम वनगमन पथ परियोजना के तहत ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों का संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इस भव्य प्रतिमा की स्थापना से छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक पर्यटन के मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से उभरेगा। 51 फीट ऊँची यह प्रतिमा केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक आस्था और शिल्प परंपरा का प्रतीक है। इसके स्थापित होते ही चंद्रखुरी देशभर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बन जाएगा।

बजट-सत्र शुरू, विपक्ष ने भी कमर कस लिया

डॉ.महंत की अध्यक्षता में बनेगी आज रणनीति

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में बजट सत्र से पहले कांग्रेस ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। 23 फरवरी को कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। यह बैठक नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की अध्यक्षता में शाम 4 बजे कांग्रेस भवन, रायपुर में होगी। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र, सरकार को घेरने की रणनीति और जनहित के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा। पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इसके अगले दिन यानी 24 फरवरी को वित्त मंत्री वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगे। यह सत्र 20 मार्च तक चलेगा और कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं। सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल और विभिन्न विधेयकों पर चर्चा होगी।

24 फरवरी को पेश होगा छत्तीसगढ़ का बजट

विजन 2047 के साथ आएगा बजट

वित्त मंत्री के अनुसार, यह बजट सिर्फ वार्षिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि प्रदेश के दीर्घकालिक विकास का रोडमैप भी पेश करेगा। बजट 2026-27 में 2047 तक के विकास विजन को ध्यान में रखते हुए रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विस्तार पर फोकस रहेगा। सरकार का दावा है कि बजट में दीर्घकालिक रणनीति और नई पहलों का खाका रखा जाएगा, जिससे प्रदेश की आर्थिक दिशा तय होगी।

महिला, युवा और किसान पर फोकस

- सरकार की प्राथमिकताओं में महिलाएं, युवा और किसान प्रमुख रहेंगे।
- महिलाओं के लिए विशेष अनुदान और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं
- युवाओं के लिए रोजगार सृजन और कौशल विकास
- किसानों के लिए कृषि प्रोत्साहन और समर्थन योजनाएं
- पिछले बजट के अनुभवों के आधार पर इस बार इन वर्गों के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और खेल सुविधाओं पर जोर

- बजट में नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में रिंग रोड निर्माण के लिए लगभग 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जा सकता है।
- इसके अलावा नए खेल परिसर, इंडोर स्टेडियम और मौजूदा खेल संरचनाओं के नवीनीकरण की योजना भी शामिल हो सकती है। इससे युवाओं के लिए खेल और कौशल विकास के अवसर बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

स्वास्थ्य और आयुष्मान पर विशेष प्रावधान

- बजट में आयुष्मान योजना, ग्रामीण स्वास्थ्य सशक्तिकरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण और कृषि क्षेत्र के लिए मजबूत वित्तीय प्रावधान किए जाने की चर्चा है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि बजट 2026-27 प्रदेश की आर्थिक रफ्तार बनाए रखने और सामाजिक कल्याण योजनाओं को मजबूत करने की दिशा में

उंगलियों से गोबर फिर डिजीटल ब्रीफकेस तक बजट यात्रा

2001 में वित्त मंत्री रामचंद्र सिंहदेव ने राजकुमार कॉलेज ग्राउंड में टेंट में बजट पेश किया था। रामचंद्र सिंहदेव इतने सख्त थे कि हर खर्चे के प्रस्ताव पर आपत्ति की उंगली रख देते थे। सरकारी खजाने से पैसा निकलवाना बहुत मुश्किल था। हां यह अलग विषय था कि उनका हर फैसला राज्य के हित में होता था।

सत्ता के गलियारों में केवल आंकड़े नहीं, राजनीतिक समीकरण भी चलते हैं। भाजपा सरकार के दौरान डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने और वित्त मंत्री अमर अग्रवाल बनाए गए। 2006 में राजनीतिक परिस्थितियों ने करवट ली। जब वित्तीय दस्तावेज से अधिक राजनीतिक गणित प्रभावी साबित हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने 12 बार बजट प्रस्तुत किया, जो एक रिकॉर्ड है। इसी अवधि में प्रति व्यक्ति आय में 4 बार 20 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। बजट का आकार बढ़ा और आम लोगों की आय में भी सुधार दिखाई दिया। बजट लगातार बढ़ता रहा, लेकिन आय वृद्धि की गति कुछ धीमी पड़ गई।

15 साल बाद 2018 में सत्ता पर कांग्रेस लौटी थी। इस दौरान छत्तीसगढ़िया वाद को खूब भुनाया। भूपेश बघेल ने प्रदेश में गोबर खरीदी शुरू की। इसी तर्ज पर साल 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोबर से बने ब्रीफकेस में बजट पेश कर सबका ध्यान आकर्षित किया।

17 सालों बाद राज्य को स्वतंत्र वित्त मंत्री के रूप में ओपी चौधरी मिले। ओपी चौधरी ने पहली बार जो ब्रीफकेस लेकर सदन में पहुंचे थे, वह ब्लैक कलर का था। ब्रीफकेस के फ्रंट पर आदिम जनजाति कला की प्रसिद्ध पहचान 'ढोकरा शिल्प' की झलक थी। पहली बार उन्होंने सदन में डिजिटल बजट पेश किया।

रमन राज में आमदनी ने पकड़ी रफ्तार

इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने 12 बार बजट प्रस्तुत किया, जो एक रिकॉर्ड है। इसी अवधि में प्रति व्यक्ति आय में 4 बार 20 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। बजट का आकार बढ़ा और आम लोगों की आय में भी सुधार दिखाई दिया। हालांकि रमन सिंह के कार्यकाल के बाद प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर घटकर लगभग 10-11 प्रतिशत रह गई। बजट लगातार बढ़ता रहा, लेकिन आय वृद्धि की गति कुछ धीमी पड़ गई।

छत्तीसगढ़ बजट 2026 : 5,700 करोड़ से 2 लाख करोड़ तक

साल 2000 में राज्य गठन के समय बजट लगभग 5,700 करोड़ रुपए था। साल 2025-26 में यह बजट 1 लाख 65 हजार करोड़ तक पहुंचा। आज वही बजट 25 गुना बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए की दहलीज तक पहुंचने की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ सरकार का बजट 24 फरवरी को विधानसभा में पेश किया जाएगा। राज्य विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू हो रहा है और अगले दिन 24 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। ज्ञान-गति के बाद इस बार भी नए थीम के साथ बजट पेश किया जाएगा। बता दें कि यह साय सरकार का तीसरा बजट है। प्रदेश का यह 26वां बजट होगा।

जन्मदिन पर जन-जन की शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री ने जनता का आभार जताया, प्रदेश के विकास में निरंतर समर्पण का संकल्प दोहराया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास देर रात तक उल्लास और स्नेह के वातावरण से भरा रहा। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, उद्योगपतियों,समाजसेवियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री को जन्मदिवस के अवसर पर फलों से तौला गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी आगंतुकों से आत्मीयता से मुलाकात की और स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आप सभी के प्रेम और सहयोग से मैं अभिभूत हूँ। छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है। आपका निरंतर समर्थन और आशीर्वाद इसी तरह बना रहे, यही मेरी कामना है।

वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री निवास में मंत्रीगण,विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को बधाई दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह,खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल,वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, वन मंत्री श्री केदार कश्यप,महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही विधायकगण श्री धरमलाल कौशिक, श्री अजय चंद्राकर,श्री पुरंदर मिश्रा, श्री मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब, श्री दीपेश साहू और श्री ललित चन्द्राकर सहित विभिन्न आयोग एवं मंडल के अध्यक्षों, सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी।

जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश के समृद्धि की कामना की

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने 62वें जन्मदिवस के अवसर पर जशपुर जिले के दोकड़ा स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर पहुँचकर भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर परिसर में परिक्रमा कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की मंगलकामना की।

माँ का आशीर्वाद के साथ गृहग्राम बगिया में मनाया जन्मदिवस

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 62वाँ जन्मदिवस उनके गृहग्राम बगिया में अत्यंत उत्साह, आत्मीयता और पारिवारिक स्नेह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृहग्राम बगिया स्थित अपने घर पहुंचते ही सबसे पहले अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का दिनभर तांता लगा रहा। जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी के स्नेह, शुभकामनाओं और आत्मीय स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनस्नेह ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने 62वें जन्मदिवस को जशपुर के बगिया स्थित बालक आश्रम के बच्चों के बीच जिस आत्मीयता और स्नेह के साथ मनाया, उसने इस दिन को बच्चों के जीवन की एक अविस्मरणीय स्मृति बना दिया। जैसे ही मुख्यमंत्री आश्रम परिसर पहुँचे, बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दौड़ गई। वे दौड़कर उनके पास आए और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण एक पारिवारिक मिलन जैसा हो गया। उस पल मुख्यमंत्री किसी पद पर आसीन व्यक्ति नहीं, बल्कि बच्चों के अपने स्नेही अभिभावक की तरह उनके बीच दिखाई दे रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों के साथ केक काटा और उनके साथ बैठकर बातें कीं। उन्होंने बच्चों के नाम पूछे, पढ़ाई के बारे में जाना, उनके सपनों को सुना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

जन्मदिन की बधाई देने सामाजिक संगठनों और नागरिकों का लगा तांता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को उनके जन्मदिवस पर बधाई देने बड़ी संख्या में सामाजिक संगठन और नागरिकगण पहुंचे। महिला अधिवक्ताओं ने पगड़ी पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया। सिख समाज ने मुख्यमंत्री को पवित्र कृपाण भेंटकर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। शदाणी दरबार रायपुर द्वारा मुख्यमंत्री को पवित्र सरोपा भेंट किया गया। छत्तीसगढ़ रामनामी राम राम भजन संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को रामनामी मुकुट और शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री को प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्विद्यालय की बहनों तथा रायपुर प्रेस क्लब, राज्य प्रशासनिक सेवा संघ और छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा के सदस्यों ने भी जन्मदिन की बधाई की। हमर चिन्हारी साहित्य समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को उनका एक पोर्ट्रेट भेंट किया।

गांडा जाति में प्रचलित सामाजिक व्यवस्था

कुसुमलता सिंह

संपूर्ण भारत की तरह जातियों जनजातियों में भी परिवार पुरुष प्रधान होते हैं, इसी तरह गांडा जाति में परिवार पितृसत्तात्मक होते हैं। परिवार की जिम्मेदारी घर के उम्रदराज व्यक्ति की होती है। पुरुष और स्त्री समान रूप से कार्य करते हैं। इस जाति के पुरुष वर्ग जहां वैद्यकीय कार्य, ग्राम चौकीदार, वादन कार्य, बुनकरी कार्य और कोटवारी सहित कृषि व पशु चारण का कार्य करते हैं वहीं त्रियों द्वारा चित्रकारी, कृषि और मजदूरी का कार्य कर घर में आर्थिक सहयोग प्रदान करती हैं। इस जनजाति को उनके कार्यों के आधार पर ख्याति और उपलब्धियां प्राप्त हुई। राजाओं द्वारा इस जनजाति को मुख्य संरक्षण देते हुए उन्हें कार्यभार सौंपे गए, गए जिसमें एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेशवाहक का कार्य देते हुए ग्राम का पहरेदार नियुक्त किया गया था, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आज भी चली आ रही है। जिन्हें हम वर्तमान में कोटवार के रूप में जानते हैं। कला संस्कृति में भी इस जनजाति की अहम भूमिका है। राजाओं के काल में शुभ कार्य गांडा जाति के लोगों के वाद्य यंत्र वादन के साथ शुरू की जाती थी, जो वाद्य वादक वर्तमान में गड़वा बाजा के नाम से जाना जाता है। साथ ही छत्तीसगढ़ में निवासरत इस जनजाति के सदस्यों को ग्राम पहरेदार के रूप में नियुक्त किया गया।

देश का एकमात्र लांगुरवीर मंदिर दुर्ग में

डा. डी पी देशमुख

शनिचरी बाजार दुर्ग का प्राचीन एवं ऐतिहासिक लांगुरवीर मंदिर देश का एकमात्र मंदिर है जो देवीभक्त लांगुरवीर को समर्पित है। वैसे तो इसके बारे में बहुत अधिक जानकारी नहीं मिलती, लेकिन शासकीय गजेटियर में इसका उल्लेख जरूर मिलता है। पूरे विश्व में दो ही स्थानों में इसके होने की जानकारी मिलती है। एक छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर के शनीचरी बाजार में एवं दूसरा नेपाल की राजधानी काठमांडु में भगवान लांगुरवीर का मंदिर है। लांगुरवीर को माता दुर्गा का परम् भक्त एवं रक्षक माना जाता है। मान्यता है कि माता की सवारी निकलते समय आगे-आगे लांगुरवीर और पीछे भैरव बाबा रक्षक के रूप में हमेशा साथ रहते हैं। दुर्ग शहर में स्थित लांगुरवीर मंदिर 100 साल से अधिक पुराना है। साल भर श्रद्धालु दर्शन के लिए यहां पहुंचते है, श्रद्धालु लांगुरवीर को सिंधुर, चोला, ध्वजा, प्रसाद, फूल, माला, दीप, धूप का चढ़ावा करते हैं। चैत्र और क्वांर नवरात्रि में नौ दिनों तक पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की जाती है, इस दौरान भक्तजन बड़ी संख्या में यहाँ आते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं। लांगुरवीर के बारे में लोक मान्यता है कि ये देवी के भक्त हैं, देवी दर्शन के पूर्व उनके दर्शन के बिना देवी दर्शन को अधूरा माना जाता है। देवी के मंदिर के द्वार पर एक ओर देवी के सेवक के रूप में हाथ में ध्वजा लेकर लांगुरवीर की मूर्ति तो दूसरी ओर भैरव बाबा की मूर्ति अंकित रहती है। नवरात्रि के अवसर पर कन्याभोज, एक बालक याने लांगुरवीर के बिना अपूर्ण माना जाता है। इसे हनुमान जी के बाल स्वरूप अर्थात बाल हनुमान के रूप में भी मान्यता है।

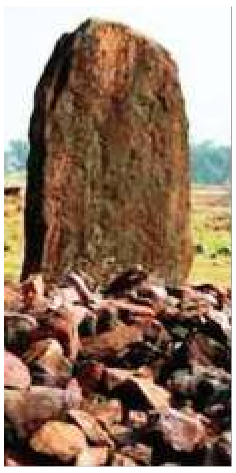

करकाभाट में दफन हैं कई प्रमाण

डॉ. टी आर रामटेके

छत्तीसगढ़ में बालोद जिले में बालोद धमतरी राजमार्ग में करहीभदर ग्राम के समीप करकाभाट में महापाषाण काल सभ्यता के प्राचीन 500 मानव कब्रों के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इन कब्रों के ऊपर चुंबक की तरह चिपके विशाल शिलाखंड स्थित है। प्रत्येक कब्र की लंबाई उत्तर दक्षिण और चौड़ाई पूर्व पश्चिम दिशा की ओर है। कहीं कहीं पर दो कब्रों के मिलने पर पति पत्नी का अनुमान लगाया जाता है। यह सभी ऐसे अंश पर हैं जहां से होकर चुंबकीय उत्तर दक्षिण रेखाएं गुजरती हैं। पत्थरों के रखने अथवा जमाने के तरीके, उनके झुकाव, दिशा और डिग्री से उस कब्र के व्यक्ति के परलोक गमन की तिथि एवं समय ज्ञात होता है। इन अंडाकार कब्रों के मध्य रखे छोटे छोटे पत्थरों के समूह हैं जो गोल घेरे में हैं। यहां पूजन सामग्री रखने का स्थान भी निर्धारित है। कहीं कहीं शिलाखंड लेटी हुई अवस्था में है, ऐसे कब्रों का आकार भी भिन्नता लिए हुए मछली सदृश है। महापाषाण काल में इस स्थान से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ की तराई में आदि मानव समूह के आवास स्थल गुफाओं के रूप में विद्यमान हैं। करकाभाट स्थित कब्रें आदि मानव समूह द्वारा मृत्यु पश्चात अंतिम संस्कार की तिथि को प्रकट करती इन समाधियों में अंतिम संस्कार के समय प्रयुक्त विभिन्न सामग्री रखी गई हैं, जिनमें पाषाणकालीन लौह शाखों के अवशेष, विभिन्न हथियार, मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, प्रस्तर शखों के टूटे खंड, तांबे की चूड़ियां, पत्थरों से तराशे गए आभूषण, कोयले के टुकड़े, स्वर्ण मुद्राएं, शवदाह क्रिया के अनुष्ठान हेतु निर्मित झोपड़ी भी इन कब्रों से प्राप्त हुई हैं।

5,000 से अधिक कब्रें

करकाभाट के आस-पास (करहीमदर, चिरचारी, सोरर, धनोरा, आदि) महापाषाण कालीन 5,000 से अधिक कब्रें दफन हैं, जो लगभग 3,500 साल पुरानी मानी जाती हैं।

पुरातात्विक खोजें

1990 के दशक में की गई खुदाई में यहां से प्राचीन काल के कलश. सोने के सिक्के, लोहे के औजार (जैसे- भाले. तीर, गंडासा) और अन्य कीमती वस्तुएं मिली है. जो इस क्षेत्र के समृद्ध अतीत को दर्शाती हैं।

अनोखी दफन परंपरा

यहाँ के पत्थरों को शंकुधारी, तिरछा और मछली की पूंछ जैसे आकारों में पाया गया है. जो काफी दुर्लभ हैं।

छत्तीसगढ़ में राजनीतिक जागरण का कालखंड

किशोर कुमार अग्रवाल

छत्तीसगढ़ में राजनीतिक जागरण के प्रणेता माधव राव सप्रे ने 1907 में नागपुर से हिन्द केसरी साप्ताहिक पत्र प्रकाशित करना प्रारंभ कर दिया। इस पत्र की विशेषता तिलक के केसरी पत्र का हिन्दी में अनुवाद करना था। इस पत्र का संपादन कर माधव राव सप्रे ने विशेषतः उत्तर भारत के नवयुवक मंडलों में ओजस्विनी देश भक्ति को जागृत करने का अदभुत कार्य किया था। स्वाभाविक था कि ऐसे पत्र का संपादन कर माधव राव सप्रे अंग्रेज सरकार के कोपभाजन बने तथा 31 अगस्त 1908 को उन्हें राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

इसके बाद भी यह पत्र कुछ माह तक चलता रहा, परंतु सरकार द्वारा कठोर रवैए के कारण इसे 1909 में बंद करना पड़ा। इसी समय छत्तीसगढ़ में राजनीतिक जागरण के उद्देश्य से पुस्तकालयों की स्थापना हो रहा था। 1909 में राजनांदगांव में सरस्वती पुस्तकालय तथा रायपुर में आनंद समाज पुस्तकालय की स्थापना हुई, जो तत्कालीन राजनीतिक गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र रहे। कर्जन की साम्राज्यवादी नीति, आर्थिक राष्ट्रवाद, गरम दल का कांग्रेस में बढ़ता प्रभाव तथा स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलनों ने इस क्षेत्र के जन मानस को पूरी तरह से प्रभावित किया। वास्तव में इन वर्षों में इस क्षेत्र में राजनीतिक तथा संवैधानिक विकास के मार्ग में काफी उन्नति हुई। इस प्रकार 1901 से 1909 का काल खंड जहां एक ओर देश के इतिहास में राजनीतिक जागरण का था, छत्तीसगढ़ के लिए विशेष रूप से राजनीतिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

आदिवासी हैं भोकवा नहीं...

- 1 साल बाद सदन में दिखेंगे कवासी लखमा
- सत्र के दौरान प्रश्न करने, कुछ बोलने पर रोक
- राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर चर्चा
- उनके क्षेत्र की जनता का मुद्दा फिर कौन उठाएगा?
- विधायक कवासी लखमा आरोपी हैं कोई अपराधी नहीं
- कोई कमेंट नहीं, सार्वजनिक बातचीत नहीं, 'नो स्पीच'

विशेष संवाददाता/शेख आबिद
मोबाईल नंबर 8109802829

एकमात्र विधायक कवासी लखमा सत्र में उपस्थित रहते हुए भी चाहकर कुछ नहीं बोल पाएंगे। एक तरह से वे मूक दर्शक ही बनकर रह जायेंगे। ऐसे में राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकारों के मुताबिक देखा जाये तो विधायक लखमा अपने विधानसभा की अवाम की आवाज़ बुलंद नहीं कर पाएंगे। हालांकि उनपर लगे आरोप गंभीर हैं और एक वर्ष वे कारावास में बिता चुके हैं। फ़िलहाल उन्हें न्यायालय से सशर्त अंतरिम जमानत मिली है और खासी मशक्कत के बाद विधानसभा सत्र में शामिल होने की सशर्त अनुमति भी दी गई है। बावजूद इसके एक सियासी और जम्हूरियत वाले सूबे में कवासी लखमा को यूं खामोश कर देने से उनके सियासी हक़ूकों को दरकिनार करते हुए मुलज़िम सा महसूस करना गैरवाजिब कहा जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि वे आदिवासी हैं कोई भोकवा नहीं।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र 2026 का एजेंडा व्यापक है, लेकिन राजनीतिक तौर पर सबसे ज्यादा चर्चा पूर्व मंत्री कवासी लखमा की मौजूदगी और उनके कार्रवाई में किसी भी तरह से टिप्पणी नहीं करने के फरमान को लेकर हो रही है। एक साल बाद सदन में उनकी वापसी कई मायनों में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विपक्ष इस मुद्दे को किस तरह उठाता है और सरकार की ओर से क्या रुख रहता है, इस पर सभी की नजरें रहेंगी। अध्यक्ष ने साफ किया है कि यह अनुमति पूरी तरह से न्यायालय के आदेश और विधानसभा की शर्तों के अनुरूप है। जांच जारी है और अंतिम निर्णय जांच पूरी होने के बाद ही होगा। 23 फरवरी से शुरू हो रहा यह बजट सत्र वित्तीय प्रावधानों के साथ-साथ राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकारों के रूप से भी काफी अहम माना जा रहा है। आने वाले दिनों में सदन के भीतर होने वाली बहस राज्य की राजनीति और नीतियों की दिशा तय करेगी। लेकिन विधानसभा सदस्य कवासी लखमा को खामोश रखे जाने पर यह भी बड़ा सवाल उठ रहा है कि उनके विधानसभा क्षेत्र की जनता का मुद्दा फिर कैसे और कौन उठाएगा? बता दें कि जांच प्रक्रिया जारी है और याचिकाकर्ता के संबंध में अंतिम फैसला जांच पूरी होने के बाद लेने की बात सामने आई हैं।

"7 फरवरी को कवासी लखमा से अभिमत मांगा गया था और साल 2026 में उन्होंने अपना अभिमत व्यक्त किया। यह अनुमति न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम जमानत और विधानसभा की प्रक्रियात्मक शर्तों के अनुरूप दी गई है। इसके बाद विधानसभा की ओर से विचार-विमर्श कर उन्हें कुछ शर्तों के आधार पर बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति दी गई। रमन सिंह ने कहा कि जांच प्रक्रिया जारी है और याचिकाकर्ता के संबंध में अंतिम फैसला जांच पूरी होने के बाद ही होगा। फिलहाल कोर्ट के आदेश और संवैधानिक प्रावधानों के तहत उन्हें सदन में उपस्थित रहने की अनुमति दी गई है।"

-डॉ रमन सिंह, अध्यक्ष छग.विधानसभा

लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा है : कांग्रेस

शराब घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा की 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तारी हुई थी। करीब एक साल तक जेल में रहने के दौरान वे विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सके थे। अब हाईकोर्ट ने 3 फरवरी को उन्हें अंतरिम जमानत दी है। 7 फरवरी को कवासी लखमा से अभिमत मांगा गया था और साल 2026 में उन्होंने अपना अभिमत व्यक्त किया। राज्य से बहार रहने का फरमान दिया गया और अब विधायक रहने के बाद भी सत्र में कुछ भी बोलने, बयान देने या सवाल उठाने तक पर रोक लगाई गई है। कांग्रेस का कहना है यह लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा है।

विधानसभा अध्यक्ष को ये उम्मीद

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को बजट सत्र 2026 से बड़ी उम्मीदें हैं। उनका सोचना है कि इस सत्र में वित्तीय, विधायी और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच विभिन्न विषयों पर सार्थक बहस होगी, जिससे राज्य की नीतिगत दिशा तय होगी।

राज्यपाल के अभिभाषण से शुरुआत

सत्र की शुरुआत 23 फरवरी 2026 (सोमवार) को सुबह 11:05 बजे राज्यपाल रामेन डेका के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा 25 फरवरी को निर्धारित की गई है। अभिभाषण का सीधा प्रसारण दूरदर्शन और आकाशवाणी से किया जाएगा, ताकि आम लोग भी सत्र की शुरुआत देख सकें।

सत्र के दौरान सरकार से होगी विस्तृत चर्चा

सत्र के दौरान सरकार से कई मुद्दों पर विस्तृत जवाब मांगे जाएंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था, रोजगार, अधोसंरचना और जनकल्याण योजनाएं चर्चा के केंद्र में रह सकती हैं। बजट सत्र के लिए अब तक कुल 2813 प्रश्नों की सूचनाएं मिली हैं। इनमें 1376 तारांकित प्रश्न शामिल हैं, जिनके उत्तर सदन में मौखिक रूप से दिए जाएंगे। इसके अलावा इस समय विधानसभा में कुल 61 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, नियम 139 के अंतर्गत अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए 1 सूचना, 13 अशासकीय संकल्प, शून्यकाल में 9 सूचनाएं और 112 याचिकाएं मिली हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27